राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 117 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 16 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में भारी मात्रा में आरडीएक्स बरामद, पूरा इलाका किया गया सील

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के बराड़ा क्षेत्र में संदिग्ध विस्फोटक सामग्री मिलने की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही एसटीएफ व बम स्क्वायड मौके पर पहुंच गया और पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार संदिग्ध सामग्री लगभग दो किलोग्राम ऋष्ठङ्ग बताई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियात के तौर पर बराड़ा रोड को पूरी तरह बंद कर दिया है और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर जांच में जुटी हैं, हालांकि अधिकारी फिलहाल इस मामले में कोई आधिकारिक बयान देने से बच रहे हैं। बम निरोधक दस्ता संदिग्ध सामग्री की जांच कर रहा है और आसपास के क्षेत्र की तलाशी भी ली जा रही है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और आने-जाने वाले लोगों की जांच की जा रही है।

नजफगढ़ और पंखा रोड ड्रेन की सफाई के लिए उतरीं हाईटेक मशीनें

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने बड़ुसराय पुल, नजफगढ़ ड्रेन और पंखा रोड ड्रेन पर नई अत्याधुनिक अम्फीबियस एक्स्कावेटर मशीनों (लॉन्ग बूम और शॉर्ट बूम) को लॉन्च किया। इन मशीनों से ड्रेनों की डी-सिल्टिंग, कचरा हटाने और जलकुंभी की सफाई का काम तेजी और प्रभावी तरीके से किया जाएगा। इससे पानी की निकासी व्यवस्था बेहतर होगी और बरसात में जलभराव की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के नालों की सफाई और यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह, श्री आशीष सूद सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि नजफगढ़ ड्रेन दिल्ली का सबसे बड़ा ड्रेन है और दिल्ली के कुल नालों से निकलने वाली लगभग 75 प्रतिशत सिल्ट इसी ड्रेन के माध्यम से आती है।

2000 करोड़ की योजना से सुदृढ़ होगा प्रदेश का पेयजल ढांचा : अग्निहोत्री

ऊना। उपमुख्यमंत्री एवं जलशक्ति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश में पेयजल की गुणवत्ता सुधारने और जल शुद्धिकरण व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए लगभग 2000 करोड़ रुपये की व्यापक योजना लागू की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के बंगाणा में आयोजित जनसभा में इस महत्वाकांक्षी पहल की घोषणा करने के लिए उनका आभार जताया। अग्निहोत्री ने कहा कि प्रस्तावित योजना के तहत आधुनिक तकनीक आधारित जल शुद्धिकरण प्रणालियां स्थापित की जाएंगी।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान

मतदान की शुरुआत 9 अप्रैल से,बंगाल में दो चरण में वोटिंग

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव का औपचारिक ऐलान हो चुका है। चुनाव आयोग ने विज्ञान भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के चुनावी तारीखों का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। सभी की निगाहें इस बार इस बात पर लगी हुई थीं कि पश्चिम बंगाल में कितने चरणों में चुनाव होने वाला है। क्योंकि 2021 में राज्य में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव का आयोजन किया गया था। लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने बंगाल में दो ही चरणों में चुनाव करवाने का फैसला किया है। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में चुनाव होने वाले हैं। राज्य में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनावों के लिए वोटिंग होगी। जबकि नतीजों का ऐलान 4 मई को किया जाएगा। केरलम की सभी 140 विधानसभा सीटों पर और पुडुचेरी की सभी 30 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को वोटिंग होगी और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल में इस बार दो ही चरण में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पहले चरण में राज्य की 152 विधानसभा सीटों पर 23 अप्रैल को, जबकि दूसरे चरण में 142 विधानसभा सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। जबकि चुनाव नतीजों का ऐलान 4 मई को ही किया जाएगा। बात करें तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव की तारीखों की तो यहां की 234 विधानसभा सीटों पर पश्चिम बंगाल के पहले चरण यानी 23 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। चुनावों के नतीजे एक साथ ही 4

मई 2026 को घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल में एक मात्र दो चरण में चुनाव कराने का ऐलान करते हुए चुनाव आयोग ने इस बात के साफसंकेत दे दिए हैं कि वह समूचे देश में जो एक साथ चुनाव कराने यानी 'वन नेशन वन इलेक्शन' की बात चल रही है, उसके लिए तैयार है। क्योंकि इसी पश्चिम बंगाल में पिछली बार 8 चरणों में चुनाव हुए थे। चुनाव आयोग ने बताया कि इन सभी क्षेत्रों में मतदाता सूची के सत्यापन, सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा एवं अन्य आवश्यक तैयारियों का व्यापक आकलन पूरा कर लिया है। चुनाव कार्यक्रम की विस्तृत घोषणा के बाद संबंधित राज्यों में आचार संहिता भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया दौरों के दौरान इन राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने इन सभी पांच चुनाव वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा किया, जहां मतदाताओं से सीधे संवाद किया गया। आयोग ने विशेष रूप से उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को सम्मानित किया। साथ ही, युवा मतदाताओं, पहली बार वोट डालने वालों और स्वीप कार्यक्रम के आइकनों से भी बातचीत की, जो मतदाता जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय हैं।

कुल 17.4 करोड़ मतदाता होंगे शामिल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनावों को 'लोकतंत्र का त्योहार' करार देते हुए कहा कि यह देश का गौरव है। असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले इन चुनावों में कुल 17.4 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे। इन पांच राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में कुल 824 विधानसभा क्षेत्र हैं, जबकि मतदान केंद्रों की संख्या लगभग 2.19 लाख होगी। चुनाव प्रक्रिया में करीब 25 लाख कर्मचारी शामिल होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि आयोग ने पिछले कुछ दिनों में सभी चुनावी राज्यों का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की है और राजनीतिक दलों, अधिकारियों तथा मतदाताओं से बातचीत की है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग की टीम ने इन राज्यों में जाकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान सभी राजनीतिक दलों से मुलाकात कर उनके सुझाव भी लिए गए।

राहुल ने बढ़ाई माया की टेंशन

बीएसपी के वोटबैंक में सेंधमारी करेगी कांग्रेस..

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले बहुजन समाज पार्टी के वोटबैंक में सेंधमारी की पूरी तैयारी में जुट गई है। दो दिन पहले राहुल गांधी ने कांशीराम के सम्मान में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में एक कार्यक्र को संबोधित किया तो आज उनकी जयंती के मौके पर एक बड़ी मांग कर दी। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम की जयंती के अवसर पर राहुल गांधी ने मांग की कि उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया जाए। इसी सिलसिले में, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा। राहुल ने

यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की। राहुल गांधी ने कहा,मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि वह सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन चेतना के मार्गदर्शक, मान्यवर कांशी राम जी को 'भारत रत्न' से सम्मानित करे।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में पंकी-सरायमीता हाईवे पर एक स्लीपर बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने के बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यूपी में पंडित पर मचा बवाल

सीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में दरोगा की परीक्षा में एक सवाल ने प्रदेश में बवाल मचा दिया है। दरअसल, 14 और 15 मार्च को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस सब इंस्पेक्टर (दरोगा) की परीक्षा में एक सवाल पूछा गया था जिसमें अवसर के अनुसार बदल जाने वाले वाक्यांश के लिए विकल्पों में पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी थे। इस सवाल में पंडित शब्द को विकल्प के रूप में दिए जाने पर विवाद उठ गया है। लोगों का कहना है कि इसे गलत संदर्भ में इस्तेमाल किया

गया है और इससे एक विशेष वर्ग की आस्था और मर्यादा पर आघात पहुंचा है। इस बढ़ते विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

बीजेपी के मेगा ऑफर का सच क्या है?

थलापति विजय को डिप्टी सीएम का पद और 80 सीटें का आफर

नई दिल्ली।एजेंसी

तमिलनाडु की सियासत में इन दिनों एक नाम की सबसे ज्यादा गूंज है- थलापति विजय। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्टी कड़गम' यानी ञ्जङ्कय् के चुनाव मैदान में उतरने के फैसले ने राज्य के स्थापित राजनीतिक दलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। गलियारों में चर्चा जोरों पर है कि क्या विजय राज्य में किसी बड़े गठबंधन का हिस्सा बनेंगे या अकेले दम पर सत्ता की चाबी हासिल करेंगे ?इस बीच, बीजेपी और टीवीके के बीच संभावित गठबंधन को लेकर जो खबरें

सामने आई हैं, उन्होंने न केवल चेन्नई बल्कि दिल्ली तक के सियासी हलकों में हलचल पैदा कर दी है। दावा किया जा रहा है कि बीजेपी दक्षिण के इस सुपरस्टार को अपने पाले में लाने के लिए एक बहुत बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह खबर तेजी से फैल रही है कि बीजेपी ने थलापति विजय के सामने गठबंधन के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव रखा है। बताया जा रहा है कि बीजेपी ने टीवीके को आगामी 2026 विधानसभा चुनाव में 80 सीटें देने की पेशकश की है। इतना ही नहीं, विजय को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी चर्चा में है। बीजेपी की इस गहरी रुचि का सबसे बड़ा कारण विजय की विशाल फैन फॉलोइंग है, जिसके दम पर पार्टी तमिलनाडु के कड़े मुकाबलों में जीत का समीकरण अपने पक्ष में करना चाहती है।

घबराहट में आकर न करें एलपीजी बुकिंग, देश में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि देश में रसोई गैस एलपीजी का घरेलू उत्पादन करीब 30 प्रतिशत बढ़ गया है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में कहा कि 5 मार्च की तुलना में देश की रिफाइनरियां अब करीब 30 प्रतिशत अधिक एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि घरों और जरूरी संस्थानों को रसोई गैस की सप्लाई बिना किसी रुकावट के मिलती रहे।

आप ने 14 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

असम विधानसभा चुनाव में उतरेगी केजरीवाल की पार्टी

नईदिल्ली/ एजेंसी

असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों की घोषणाएं शुरू हो गई हैं। आम आदमी पार्टी ने अपनी पहली उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें पार्टी ने 14 उम्मीदवारों के नाम शामिल किए हैं। असम में मार्च-अप्रैल के बीच विधानसभा चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है, और चुनाव आयोग किसी भी समय इन चुनावों की तारीखों का ऐलान कर सकता है। आम आदमी पार्टी से पहले कांग्रेस पार्टी ने भी 23 उम्मीदवारों की

अपनी दूसरी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद अब्दुल खालिक सहित राज्य के कई प्रमुख नेताओं के नाम शामिल हैं। कांग्रेस का यह कदम चुनावी मैदान में अपनी स्थिति मजबूत करने की ओर एक और बड़ा कदम माना जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि अन्य प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा कब अपने उम्मीदवारों की घोषणा करती है और चुनाव आयोग की ओर से असम विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान भी आज होने की संभावना है। 126 सीटों वाली असम विधानसभा में फिलहाल भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा राज्य की कमान लगातार दूसरे कार्यकाल में संभाल रहे हैं। वहीं कांग्रेस आगामी चुनावों में असम की सत्ता पर नजर बनाए हुए है।

एम्स में इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू

हरीश राणा के दो लाइफ सपोर्ट के प्रमुख पाइप हटाए गए...

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया के तहत एम्स में भर्ती हरीश राणा के लाइफसपोर्ट सिस्टम को धीरे-धीरे हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, एम्स के इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की पैलिएटिव केयर यूनिट में भर्ती हरीश राणा के लाइफसपोर्ट से जुड़े दो प्रमुख पाइप हटा दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टरों की निगरानी में यह प्रक्रिया बेहद सावधानी के साथ चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए है। बताया जा रहा है कि यह पूरी प्रक्रिया मेडिकल प्रोटोकॉल और कानूनी दिशा-निर्देशों के तहत ही आगे बढ़ाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि लाइफ सपोर्ट के कुछ उपकरण हटाए जाने के बाद अब आगे की स्थिति हरीश राणा के शरीर की प्रतिक्रिया और चिकित्सकीय स्थिति पर निर्भर करेगी। डॉक्टरों का मानना है कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु की यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो सकती है, हालांकि इसके लिए कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है। गौरतलब है कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु के तहत मरीज को जीवनरक्षक उपकरणों पर कृत्रिम रूप से जिंदा रखने वाली चिकित्सा सहायता धीरे-धीरे हटाई जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ सख्त शर्तों के साथ इस प्रक्रिया को कानूनी मंजूरी दी हुई है, जिसके तहत मरीज की स्थिति, परिवार की सहमति और मेडिकल बोर्ड की अनुमति अनिवार्य होती है। एम्स में चल रही यह प्रक्रिया

देश में निष्क्रिय इच्छामृत्यु के मामलों को लेकर एक महत्वपूर्ण मिसाल के तौर पर देखी जा रही है। अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकीय टीम पूरे मामले को संवेदनशीलता और सावधानी के साथ संभाल रही है। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन की राज एंपायर सोसायटी में रहने वाले हरीश राणा को अंतिम विदाई देने का एक मार्मिक वीडियो सामने आया है। ब्रह्मकुमारी केंद्र के प्रभु मिलन भवन की बहन कुमारी लवली दीदी ने हरीश को उसके घर पहुंचर अंतिम विदाई दी। इस दौरान उन्होंने हरीश की आत्मा की शांति के लिए विशेष ध्यान (मेडिटेशन) भी किया। गाजियाबाद के साहिबाबाद में रहने वाले हरीश राणा को अंतिम विदाई देने के लिए साहिबाबाद स्थित मोहन नगर में संचालित ब्रह्मकुमारी केंद्र के प्रभु मिलन भवन की बहन कुमारी लवली दीदी 13 मार्च को उनके घर पहुंचीं। यहां उन्होंने हरीश के माथे पर पहले चंदन का तिलक लगाया और उसके बाद अंतिम विदाई दी। उन्होंने कहा कि सब को सबको माफकरते हुए और सबसे माफी मांगते हुए सो जाओ..ठीक है..। बीके लवली ने बताया कि उन्होंने हरीश के लिए मेडिटेशन भी किया। साथ ही उसे शांति से अंतिम विदाई दी। हरीश के माता-पिता को भी ढांढस बंधाया। हरीश बचपन में बहुत शरारती था।

एम्स के डॉक्टरों की टीम कर रही है उनकी निगरानी

एक्सपर्ट के अनुसार, इस तरह के मामले में पहले कमिटी मरीज का असेसमेंट किया जाता है। उसके दर्द को कंट्रोल करेगी, ताकि मरीज को किसी भी प्रकार का दर्द न हो। इसलिए इस प्रोसेस में थोड़ा समय लगने की संभावना है। ऐसा नहीं है कि मरीज एडमिट होगा और दूसरे दिन पैसिव यूथेनेशिया दिया जाएगा। बीते 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने 31 वर्षीय हरीश राणा के लिए जीवनरक्षक उपचार बंद करने की अनुमति दे दी है, जो 2013 में पीजी में चौथी मंजिल से गिरने से लगी गंभीर मस्तिष्क चोट के बाद कोमा में चले गए थे। काफी दलील सुनने के बाद जस्टिस जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने राणा के परिवार द्वारा दायर निष्क्रिय इच्छामृत्यु की याचिका को स्वीकार कर लिया। जजों ने पाया कि वर्षों के उपचार के बावजूद उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

विश्व हिंदू परिषद का जिला बैठक महासमुंद में संपन्न

महासमुन्द (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद का जिला बैठक महासमुंद जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन चंद्राकर के कार्यालय उत्तम फ्यूल्स में संपन्न हुआ। बैठक में विश्व हिंदू परिषद की प्रांत मंत्री पूर्णेन्द्र सिन्हा, प्रांत पदाधिकारी उत्तम वर्मा, अखिलेश लूनिया, दानेश्वर सिन्हा, विभाग से सौरभ अग्रवाल, जिला से हर्षवर्धन चंद्राकर, बसंत देवता, लोकेश दावड़ा,गितेश पंडा, विद्याचरण पटेल, बिपिन बिहारी मोहंती, अनीता चौधरी, ममता शीतल मिश्रा,गणेश राम साहू,सुरेंद्र दास ,अभिषेक दास, अन्य प्रखंड एवं खंड कार्यकर्ताओं में सविता बर्मन, भूपेंद्र शर्मा, छंदा चरण बारिक, सागर चंद पटेल, आदि उपस्थित थे। बैठक दीप प्रज्वलन एवं स्वस्तिवाचन के साथ प्रारंभ हुआ।

बैठक में प्रांत मंत्री ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद का वार्षिक उत्सव राम उत्सव 19 मार्च से 2 अप्रैल तक मनाया जाना है।उन्होने बताया कि पूरे महासमुंद जिला में अधिक से अधिक प्रखंडों ,खंडों एवं ग्रामों में राम उत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया जाना है। इस हेतु योजना बनाकर कार्यक्रम करने के लिए तैयारी शुरू कर दें। सभी कार्यकर्ताओं को आग्रह किया गया कि जहां भी कार्यक्रम मे हमारे आनुषांगिक संगठन के स्वयं सेवक जायें तो अपने व्यक्तव्य में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के चरित्र व सामाजिक समरसता एवं विश्व हिन्दू परिषद के रचनात्मक कार्यशैली के बारे में विषय रखते हुए भारत को अक्षुण्ण बनाए रखने में हम सबको मातृभूमि की रक्षा,सभी सनातनी एकता और अखंडता के साथ देश धर्म ,हिंदुत्व की रक्षा वैदिक संस्कृति और सभ्यता को जीवित रखते हुए करना है। हमारे सभी विषय प्रत्येक लोगों तक पहुंचना चाहिए, बैठक शांति पाठ एवं जयघोष के साथ समापन किया गया।

देश में एलपीजी का संकट नहीं,अफवाह फैला रही कांग्रेस :- विक्की

पिथौरा (समय दर्शन)। कांग्रेस द्वारा एलपीजी को लेकर जो झूठी अफवाह देश में फैलाई जा रही है ,जिसको लेकर भाजपा के युवा नेता विक्की सलूजा ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ,देश और प्रदेश में एलपीजी गैस सिलेण्डरों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है।

कांग्रेस पार्टी अफवाह फैला रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से शांति बनाए रखने और झूठे व भ्रामक प्रचार से बचने की अपील की है।

भाजपा नेता विक्की सलूजा ने आगे कहा कि पीएम मोदी और पेट्रोलियम मंत्रालय ने भी आश्वस्त कर दिया है कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने भी जनता को भरोसा दिया है कि किसी को गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं होगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह गैस का संकट नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा फैलाई जा रही अफवाह से पैदा किया गया कृत्रिम संकट है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक है, लेकिन विपक्ष के लोग जनता को भ्रमित कर रहे हैं। विपक्षी पार्टियों के लोग सोशल मीडिया पर झूठी अफवाह फैला कर लोगों को अपने तरफ रिझाने की कोशिश कर रहे हैं,पर आम जनता कांग्रेस के बहकावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए कांग्रेस के नेता घरेलू गैस की कमी का झूठा और भ्रामक अफवाह फैलाकर लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। श्री सलूजा ने कहा कि दुनिया युद्ध से जूझ रही है, ऐसे वैश्विक संकट में भारत लगातार आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है और तरक्की कर रहा है। भारत की तरक्की कांग्रेस को हजम नहीं हो रही है।

कांग्रेस की फितरत देश को अपमानित करना और लोगों को भ्रम में डालना है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को प्राथमिकता दे रही है।कांग्रेस को घेरते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन को लोग भूले नहीं है।कांग्रेस शासन में गैस कनेक्शन के लिए लोगों को वर्षों तक इंतजार करना पड़ता था। गैस गोदामों पर लंबी-लंबी लाइनें लगी रहती थी।जनता सब जानती है समझती है इसलिए तो पूरे देश में कांग्रेस का सफाया हो चुका है। भारत देश कांग्रेस मुक्त भारत की ओर अग्रसर है।

शब-ए-कद्र की रात, इबादत का विशेष महत्व : हाजी रईस अहमद शकील

राजनांदगांव। जामा मस्जिद मुस्लिम समाज के अध्यक्ष हाजी रईस अहमद शकील ने विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि रमजान के पवित्र महीने के आखिरी अशरे में आने वाली शब-ए-कद्र की रातों को इस्लाम में बेहद मुकद्दस और बरकतों वाली रात माना जाता है।

इन मुकद्दस मुबारक रातों में की गई इबादत का सवाब हजार महीनों की इबादत से भी ज्यादा अफजल है। इसलिए अकीदतमंद इन दिनों में विशेष रूप से नमाज, अस्तगफार, कुरआन पाक की तिलावत अपनी जिंदगी और आखरत, अपने मरहूमिन की मगफिरत के लिए दुआएं करते है, और पुरी रात अल्लाह के जिक्र और दुआ में मशगूल रहते हैं।

रईस अहमद शकील ने बताया कि रमजान शरीफ का छब्बीसवां रोजा मुक्कमल होने के बाद सत्ताईसवी शब में शब-ए-कद्र की रात होती है। इसी कारण अकीदतमंद इन सभी रातों में जागकर अल्लाह ताआला की इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। साथ ही अपने मोहल्ले शहर देश में अमन चैन की दुआ करते है।

हाजी रईस अहमद शकील ने कहा कि इस बार शबे-कद्र अंग्रेजी की सोलह तारीख सोमवार (पीर) को आ रहा है, रमजान शरीफ में कुछ राते बड़ी महत्वपूर्ण बरकत वाली रातें मानी जाती हैं, जिनमें की गई दुआओं के कबूल होने की उम्मीद रहती है। वहीं 27वीं शब को आमतौर पर सबसे ज्यादा अहम माना जाता है, अकीदतमंद इस रात बड़ी संख्या में मस्जिदों में इबादत करते हैं।

रईस अहमद ने कहा इस मुक्कदस महीने में मोमिनों को रमजान शरीफ की हर ताक

(खास) रातों में शब, कद्र की तलाश करते हुए ही इबादत करना भी चाहिए।

रमजान की 21वीं रात से आखिरी अशरा शुरू होने के साथ ही एक खास अमल एतेकाफ भी शुरू हो जाता है, इसमें अकीदतमंद मस्जिदों में रहकर अल्लाह ताआला की इबादत करते हैं और दुनिया के कामों से अलग होकर अपना समय इबादत में गुजारते हैं।

हाजी रईस अहमद शकील ने हर साल की तरह तमाम उम्मते मुस्लमा से गुजारिश की है कि इस खास रातों की इबादतो में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। माह-ए-रमजान के आखिरी शुक्रवार यानी अलविदा जुमा पर अकीदतमंदों की बड़ी तादाद में पूरे खुशू-ओ-खुजू के साथ नमाज ए जुमा अदा की जाती हैं, इस मौके पर अतराफ के सभी मस्जिदों के इमाम साहब तमाम मुसलमानों को नमाज अदा कराते है और शहर से लेकर मुल्क भर के लिए दुआएँ की जाती है। रोजा अफ्तार इसी तरह रमजान के पुरे महीने रोजादारों के लिए इफ्तार का आयोजन मस्जिद कमेटी और आवाम की तरफ से आयोजित किया जाता हैं, जिसमें सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते है और सैकड़ों रोजेदारों व अकीदतमंद एक साथ बैठकर इफ्तार करते हैं, मुल्क की तरक्की अमन-चैन व आपसी भाईचारे के लिए मांगी गई दुआ हमेशा से मोहब्बत, इंसानियत और भाईचारे का पैगाम देती हैं।

ऐसे ही धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने और दिलों को करीब लाने का काम करते हैं, साफ नीयत के साथ की गई ईबादत और खुली सोच के साथ लोगों से बर्ताव जहनी सुकून और हमारे ईमान को मजबूत करते हैं। माह-ए-रमजान शरीफ का यह मुकद्दस महीना रहमत, मगफिरत और बरकतों का पैगाम लेकर आता है। दुआ है कि अल्लाह तआला हमारी तमाम इबादतों को कबूल फरमाए और हमारे मुल्क हिंदुस्तान में अमन वो सुकून कायम रहें और हम सबकी जिन्दगी को अपनी रहमतों से मालामाल करें।

चोरी की घटना को अंजाम देने वाला शातिर चोर चढ़ा पुलिस की गिरफ्त में

24 घंटे के भीतर चोर को तचमगांव पुलिस ने धन्य दबोचा

महासमुन्द (समय दर्शन)। इन दिनों चोरों के हौसले बुलंद हैं,जिले के सभी थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदातें शिलशिलेवार हो रही है,पर महासमुन्द पुलिस भी अपनी मुस्तैदी से चोरों के मनसूबो को पटखनी देने में कामयाबी मिल रही है। ?

बीते दिनों तुमगांव थाना क्षेत्र में हुए चोरी केआरोपी के कब्जे से चुराई गयी संपत्ति, एक मोटर सायकल और 2 मोबाइल के साथ साथ चोरी का एक अन्य वाहन भी आरोपी के कब्जे से बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली है।

तुमगांव पुलिस की तत्परता से चोर को पकड़कर जेल भेजा गया है। प्रार्थी अजय खुट्टे पिता स्व. इन्दरमन निवासी ग्राम कुकराडिह थाना तुमगांव द्वारा दिनांक 14.03.2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि, वह दिनांक 08.03.26 को अपने मोटर सायकल हीरो पैशन प्रो क्रमांक सीजी 04 एमपी 8002 से शाम को कामकाज करके अपने घर लौटा। अपने मोटर सायकल को घर के परछी में खडी कर चाबी को मोटर सायकल में ही छोड़कर नहाने चला गया व खाना खाकर सो गया।उसकी पत्नि महेश्वरी खुंटे बर्तन धोने बाड़ी की ओर गयी थी। शाम करीब 5.00 बजे उसकी पत्नि ने प्रार्थी को उठाई और बोली कि मोटर सायकल घर मे नही है और कुलर उपर रखे दोनो मोबाईल नहीं दिख रहे है।

उसके बाद प्रार्थी ने घर परछी में खड़ी मोटर सायकल को देखा तो वहां नहीं था और कुलर उपर रखे दो नग मोबाइल भी नहीं था। आसपास पड़ोस मे खोजबिन किया पता नहीं चला। किसी अज्ञात चोर द्वारा सुनापन का फायदा उठाकर चोरी कर ले जाने के संदेह पर प्रार्थी ने थाने मे लिखित आवेदन प्रस्तुत करने पर रिपोर्ट के आधार पर अपराध

क्रमांक 80/26 धारा 303(2),331(2) बीएनएस पंजीबद्ध कर जांच कार्यवाही शुरू की गयी।

पतासाजी व आस पास से पुछताछ से प्राप्त सुराग के आधार पर संदिग्ध को पुलिस कस्टडी मे लेते हुए पुछताछ किया गया जो अपने मेमोरण्डम में चोरी करना अपराध स्वीकार किया और आरोपी के कब्जे से चोरी किये गये संपत्ति को बरामद कर लिया गया। जांच पड़ताल के दौरान ही आरोपी के पास से मिले एक अन्य मोटर सायकल सुपर स्प्लेंडर क्रमांक सी जी 06 जीआर 1162, कीमत करीब 10 हजार के बारे मे आरोपी से कड़ाई से पूछताछ करने पर उक्त वाहन को दिनांक 12.03.26 को खुशरूपाली थाना बसना से चोरी करना एवं चलाना बताया गया। जिसकी जांच कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी- दौलत राम चौहान पिता बहुर सिंग चौहान उम्र 38 वर्ष साकिन गौरटेक थाना बसना जिला महासमुंद।

बरामद संपत्ति- एक मोटर सायकल हीरो पैशन प्रो क्रमांक सीजी04 एमपी 8002 कीमती करीबन 15 हजार रूपये एवं दो नग मोबाईल कीमती करीबन 10 हजार रूपये।

सुपर स्प्लेंडर क्रमांक सी जी 06 जीआर 1162, कीमत करीब 10 हजार रुपये। जुमला बरामद संपत्ति कीमत 35 हजार रूपये।

पत्रकारों संग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का होली मिलन समारोह, प्रेस ट्रस्ट भवन में उमड़ा सौहार्द का रंग

बिलासपुर (समय दर्शन)। रंगों के पर्व होली के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा रविवार 15 मार्च 2026 को ईदगाह चौक स्थित स्वर्गीय डीपी चौबे स्मृति प्रेस ट्रस्ट भवन में पत्रकारों के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के पत्रकारों और संघ परिवार के पदाधिकारियों ने एक साथ मिलकर आपसी सौहार्द, संवाद और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह का माहौल भाईचारे और आत्मीयता से सराबोर रहा। इस दौरान वक्ताओं ने समाज में पत्रकारिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने वाला एक सशक्त माध्यम है। सकारात्मक पत्रकारिता से समाज में जागरूकता और समरसता का वातावरण मजबूत होता है।

इस अवसर पर विभाग संघचालक डॉ. राजकुमार सचदेवा, डॉक्टर रजनीश पांडेय, बिलासपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजित मिश्रा, जिला संघचालक रामधन रजक, नगर संघचालक प्रदीप शर्मा, विश्व संवाद केंद्र छत्तीसगढ़ प्रांत से डॉ. प्रफुल्ल शर्मा, डॉ. विनोद तिवारी, विभाग कार्यवाह गोवर्धन देवांगन, विभाग प्रचार प्रमुख अजय सूर्यवंशी, जिला प्रचार प्रमुख गोपाल यादव तथा पूर्णेंदु भट्ट विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बिलासपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष, सहित नई कार्यकारिणी पूर्व अध्यक्ष तिलक राज सलूजा, वीरेन्द्र गहवई, वरिष्ठ पत्रकार निर्मल मलिक, दिलीप अग्रवाल, रवि शुक्ला, अजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में पत्रकार और संघ परिवार के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में बिलासपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष ने सभी अतिथियों, पत्रकारों और संघ परिवार के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी संबंधों को मजबूत करने और संवाद को बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार और समाज के विभिन्न संगठनों के बीच सकारात्मक संवाद से समाजहित के कार्यों को नई दिशा मिलती है। सभी ने मिलकर सौहार्द, सहयोग और सामाजिक समरसता की भावना के साथ समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की कार्यवाही

अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

वर्ष 2026 में अब तक 50 प्रकरण में 3061.790 किग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त, कीमत 15 करोड़ 25 लाख 70 हजार, 146 आरोपी गिरफ्तार

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) – एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इंड टू इंड एवं फाइनेशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिले में पुलिस के द्वारा लगातार चेकिंग कार्यवाही की जा रही है, इसी दरमियान सूचना मिली की एक हिरो पैशन प्रो मोटर सायकल क्रमांक एमएच 49 एजी 7784 में उडिसा की ओर से अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर आ रहे है। एनएच 53 रोड रेहटीखोल पहूंचकर नाकाबंदी की गई, कुछ समय बाद जैसा की सूचना मिली थी, एक हिरो पैशन प्रो मोटर सायकल क्रमांक एमएच 49 एजी 7784 आया, रोककर चालक का नाम पता पूछने पर व्यक्ति ने अपना नाम सागर शुध्दोधन निकालजे पिता शुध्दोधन निकालजे उम्र 35 साल साकिन प्लाट नं. 50 मानोवाडा रिंग रोड बुध्द विहार थाना हुडकेश्वर जिला नागपुर महाराष्ट्र तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम अतुल विनोद नंदेश्वर पिता विनोद नंदेश्वर उम्र 33 साल साकिन प्लाट नंबर 53 नरसाला रोड श्री यशनगर नरसाला थाना हुडकेश्वर जिला नागपुर महाराष्ट्र का होना बताये। बीच में रखे काला कलर के बैग में सामान के बारे में जानकारी लेने पर बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखना बताये जिसे फुलवानी उडीसा से नागपुर (महाराष्ट्र)बिक्री करने के लिये ले जाना बताये। आरोपियों से 10.600 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमत 05 लाख 30 हजार रूपये एवं गांजा परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल क्रमांक एमएच 49 एजी 7784, कीमत करीब 25 हजार रूपये एवं 02 नग मोबाईल कीमती 20 हजार रूपये कुल 05 लाख 75 हजार रूपये की संपत्ति जप्त किया गया है। आरोपियो का कृत्य अपराध धारा 20बी (दो)(बी) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से दोनो आरोपियो को विधिवत गिरफ्तार व थाना सिंघोडा में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण के आरोपियो को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया है। यह सम्पूर्ण कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना सिंघोडा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

कमला कॉलेज में सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न : विज्ञान संकायों ने पाया नवाचार में नया दृष्टिकोण

राजनांदगांव। रूसा 2.0 के अंतर्गत शासकीय कमलादेवी राठी महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव में दिनांक 09 से 14 मार्च 2026 तक सात दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर साइंस फैकल्टीज का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजली अवधिया के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया जा रहा है, जिसमें संपूर्ण महाविद्यालय परिवार का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

विशेष रूप से रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष नंदिनी चंद्रवंशी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। सात दिवसीय इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण के साथ-साथ अन्य महाविद्यालयों से भी अनेक प्राध्यापक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे, जिन्होंने विभिन्न विषयों पर आयोजित व्याख्यानों को सुनकर महत्वपूर्ण ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 9 मार्च 2026 को महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजली अवधिया, समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

प्रथम दिवस की मुख्य वक्ता नोडल अधिकारी डॉ. मोहन एल. वर्मा थे। इन्होंने अपने व्याख्यान में कम्प्यूटर आधारित प्रयोग, डिजिटल सिमुलाइजेशन और मॉडलिंग तकनीकी के माध्यम से विज्ञान सामग्री एवं नैनो-तकनीकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए प्रशिक्षित किया।

डॉ. मोहन एल. वर्मा का व्याख्यान अत्यंत रोचक, चिंतनशील एवं ज्ञानवर्धक था, जिसमें उपस्थित सभी प्रतिभागियों को गहन विचार करने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात् नायब उल मालिक द्वारा प्रैक्टिकल सेशन आयोजित करवाई गई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक

भाग लिया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन का प्रारंभ भी विधिवत रूप से किया गया। इस दिन की मुख्य वक्ता डॉ. अंजली अवधिया रही। उन्होंने अपने संबोधन में क्वांटम फिजिक्स की आधुनिक शिक्षा में तकनीकी कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में डॉ. मोहन एल. वर्मा द्वारा क्वांटम मैकेनिक्स विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के तीसरे दिन विशेष व्याख्यान के लिए डॉ. अश्विन कुमार शर्मा शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव को आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में आयोनाइजेशन एनर्जी, पीरियॉडिक टेबल, इलेक्ट्रान एफिनिटी, केमिकल बिहेवियर, केमिकल बांडिंग विषयों को विस्तार से समझाया। इस सत्र के पश्चात् विशेष व्याख्यान के लिए डॉ. कुसुमांजलि देशमुख शासकीय वीवाईटी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग से उपस्थित रही। उन्होंने अपने व्याख्यान में नीड ऑफ सिमुलेशन, मॉडर्न नैनो मटेरियल टेक्नोलॉजी, मेकिंग थिन फिल्म, ग्रीन सिंथेसिस के बारे में ज्ञानवर्धक बाते बताई।

कार्यक्रम के चौथे दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप मे डॉ. हेनू कुमार वर्मा, आईआईटी भिलाई से उपस्थित रहे। इन्होंने रिसर्च पेपर बनाना, रिसर्च आइडिया फॉर लिमिटेड फैसेलिटिस और रिसर्च से जुड़ी कई जानकारी दी।

कार्यक्रम के पांचवें दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शुभ्रा मिश्रा, शासकीय नवीन महाविद्यालय, गुड़ियारी, रायपुर उपस्थित रही। उन्होंने अपने व्याख्यान में बौद्धिक संपदा के महत्व, शोध, नवाचार पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में सिमुलेशन प्रोग्राम के नोडल ऑफिसर डॉ. मोहन एल. वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में रिसर्च पेपर लिखते समय क्या-क्या सावधानी रखनी चाहिये तथा एआई टुल्स का उपयोग किस प्रकार किया जाना चाहिए, इस बारे में हमे विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ. मोहन एल. वर्मा, समन्वयक श्रीमती नंदिनी चन्द्रवंशी तथा सह.समन्वयक डॉ. सुरेश कुमार पटेल, आलोक कुमार जोशी एवं श्रीमती तारा ठाकुर रहें।

आयोजन समिति में अमरनाथ निषाद, लेखा प्रसाद उर्वशा, शिवेन्द्र कुमार, चंदन साहू, डॉ. चेतना गुप्ता, श्रीमती शीला राहा, श्रीमती शैलजा तिवारी तथा श्रीमती सानंवी पंजवानी ने सक्रिय रूप से सहयोग दिया। तकनीकी सहयोग रेवती रमन साहू एवं धनेश पटेल द्वारा प्रदान किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमती तारा ठाकुर, सहायक प्राध्यापक, रसायन शास्त्र ने किया। इस प्रकार यह सात दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर साइंस फैकल्टी कम्प्युटर बेस्ड मटेरियल/नैनो-मटेरियल इनोवेशन अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल और उपमुख्यमंत्री अरुण साव के साथ 55 करोड़ रुपये के कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

बीरगांव के विकास को मिली नई गतिः सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को नगर पालिक निगम के बुधवार बाजार में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और रायपुर ग्रामीण के लोकप्रिय विधायक श्री मोतीलाल साहू की गरिमामयी उपस्थिति में लगभग ?55 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

इस अवसर पर राज्य प्रवर्तित योजनान्तर्गत आर.टी.ओ. कार्यालय के पीछे रावांभाठा में 156.60 लाख रुपए की लागत से निर्मित उद्यान निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया। साथ ही अधोसंरचना मद के अंतर्गत निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सी.सी. सड़क, आर.सी.सी. नाली एवं अन्य निर्माण कार्यों के कुल 88 कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिनकी कुल लागत ?584.91 लाख है।

ये सभी विकास कार्य बीरगांव की तस्वीर बदलने और स्थानीय नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को चेक वितरित कर उनके पक्के घर के सपने को संबल प्रदान किया गया। साथ ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली स्वच्छता दीदियों को सम्मानित कर उनके समर्पण को नमन किया गया।

इस अवसर पर सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि बीरगांव छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है और इसके सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आज ?55 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर औद्योगिक सुगमता और जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

उन्होंने कहा कि बीरगांव केवल एक क्षेत्र नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यहां के श्रमिकों और नागरिकों का जीवन सुगम बनाना हमारी प्राथमिकता और संकल्प है। सांसद श्री अग्रवाल ने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में लगभग ?125 करोड़ के विकास कार्य किए जा चुके हैं, जबकि आने वाले पांच वर्षों में ?500 करोड़ के कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने विधायक श्री मोतीलाल साहू की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बीरगांव में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और आने वाले समय में यह क्षेत्र मोती की तरह चमकेगा।

उन्होंने जानकारी दी कि बीरगांव में स्वच्छ पेयजल व्यवस्था के लिए ?104 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जबकि अतिरिक्त ?22 करोड़ की एक और योजना स्वीकृत कराने का प्रयास जारी है। इसके अलावा गली-गली की सड़कों के निर्माण के लिए ?6 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। क्षेत्र में नए कॉलेज और आत्मानंद स्कूल भी प्रारंभ किए गए हैं।

सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि हाल ही में सरोरा क्षेत्र में ?50 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया था, जो अब पूर्ण होने की ओर हैं और आज ?55 करोड़ के नए कार्यों की शुरुआत की गई है।

उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोड़ के नेतृत्व वाली सरकार और राज्य में विष्णु देव साय सरकार के डबल इंजन से प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों और श्रमिकों को अधिक सुविधाएं और अवसर मिल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने पदोन्नत उपनिरीक्षक के कंधे पर स्टार लगाकर दी शुभकामनाएँ

रायपुर। दिनांक 14.03.2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय सिविल लाइन रायपुर में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट रायपुर में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक श्री गेंदूराम नवरंग को उपनिरीक्षक पद पर विभागीय पदोन्नति प्रदान किए जाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित तुकाराम कांबले ने श्री गेंदूराम नवरंग के कंधे पर स्टार लगाकर उन्हें उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने पदोन्नत अधिकारी को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें नवीन पद के साथ प्राप्त दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन और अधिक निष्ठा, ईमानदारी तथा जिम्मेदारी के साथ करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रायपुर (ग्रामीण) श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्रीमती अर्चना झा, सहायक पुलिस आयुक्त डॉ. नरेश पटेल सहित पदोन्नत अधिकारी के परिजन उपस्थित रहे।

लकड़ी फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल कर्मियों ने बचाई 2 की जान

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक लकड़ी फैक्ट्री में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री परिसर में रखा एक ट्रैक्टर और कई मशीनें जलकर पूरी तरह नष्ट हो गईं। घटना के समय फैक्ट्री के अंदर मौजूद दो कर्मचारियों को दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मिली जानकारी के अनुसार उरला थाना क्षेत्र स्थित भीम सरिया मिनरल प्रा. लि. की लकड़ी फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात करीब आधी रात के आसपास अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया और फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री से उठती तेज लपटें और घना धुआं देखकर आसपास के लोग घबरा गए और तत्काल पुलिस व दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर निगम और निजी संस्थानों की दमकल की छह से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास शुरू किया। करीब ढाई से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका। इस दौरान दमकल टीम ने साहसिक कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री के अंदर फंसे दो कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते किए गए इस बचाव कार्य से एक बड़ा हादसा टल गया।

कांग्रेस नेता विनोद तिवारी को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित विवादित टिप्पणी करने के मामले में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पीसीसी संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की टीम ने उन्हें उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से हिरासत में लिया। जानकारी के अनुसार विनोद तिवारी कौशांबी में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस की टीम वहां पहुंची और उन्हें हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई 3 फरवरी को सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट से जुड़े मामले में की गई है। सूत्रों के मुताबिक उक्त पोस्ट को लेकर पहले भी शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस टीम ने कौशांबी पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया। फिलहाल दिल्ली पुलिस ने विनोद तिवारी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है और मामले को लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

झारखंड में बने बारिश के सिस्टम के असर बस्तर में दिखेगा, हल्की फुहारे पड़ेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मार्च के पहले हफ्ते से ही जोरदार गर्मी पड़ने लगी है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अभी से मई जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है। राजनांदगांव जिले का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। राज्य का तापमान सामान्य से 4 डिग्री के करीब ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, गर्मी से फिलहाल राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। हालांकि बस्तर के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को बस्तर संभाग के कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना हो सकती है। गरज चमक के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इसके साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के बाद तापमान में 3-5 डिग्री की गिरावट आ सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, झारखंड में बने बारिश के सिस्टम के असर बस्तर में दिखाई दे सकता है।

राजनांदगांव जिले का तापमान 40 के पार

बीते 24 घंटों में सबसे अधिक अधिकतम तापमान राजनांदगांव का दर्ज किया गया है। राजनांदगांव का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है। वहीं, सबसे कम तापमान अंबिकापुर जिले का है। अंबिकापुर का तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस के करीब है।

कैसा रहेगा रायपुर का मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी रायपुर में जोरदार गर्मी की शुरुआत हो गई है। आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की फिलहाल कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही है। शनिवार को रायपुर का मौसम साफ रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने का अनुमान है।

प्रदेश में बढ़ रही है गर्मी

राज्य के ज्यादातर जिलों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। बिलासपुर संभाग के अधिकांश जिलों में पारा लगभग 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है।

एक्टिवा चोरी के प्रकरण में 01 आरोपी कुंदन कुमार राय गिरफ्तार

रायपुर। आरोपी को चंद घंटे में किया गया गिरफ्तार। थाना खमतराई क्षेत्रान्तर्गत स्थित ट्रांसपोर्ट नगर शराब दुकान से चोरी की घटना को दिया था अंजाम। आरोपी के कब्जे से एक्टिवा क्रमांक सीजी 12 एन 4657 को किया गया जप्त। थाना खमतराई में आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 167/2026 धारा-303 (2) बीएनएस की गई है दर्ज। पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) श्री मयंक गुर्जर के निर्देशानुसार अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) श्री आकाश मरकाम तथा सहायक पुलिस आयुक्त उरला सुश्री पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में नॉर्थ जोन क्षेत्रांतर्गत थाना प्रभारियों द्वारा चोरी, नकबजनी जैसे अपराधों की रोकथाम के लिए निर्देशित करने पर घटना स्थल का निरीक्षण कर अज्ञात आरोपियों की पता साजी कर लगातार कार्यवाही की जा रही है। विवरण- दिनांक 13.03.2026 को प्रार्थी धीरेन्द्र कुमार साहू रात्रि 09.00 बजे ट्रान्सपोर्ट नगर रावांभाठा देशी शराब दुकान शराब लेने आया, प्रार्थी द्वारा शराब दुकान के बाहर पार्किंग में होण्डा एक्टिवा कमांक सीजी 12 एन 4657 को खड़ा किया था, बाद प्रार्थी 15 मिनट में वापस आकर देखा तो उनकी होण्डा एक्टिवा खड़ी किये गये स्थान पर नहीं था आस-पास तलाश किया नही मिलने से प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना खमतराई में अपराध कमांक 167/2026 धारा-303(2) बीएनएस दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

चोरी गई मशरूका की पतासाजी हेतु टीम द्वारा चोरी के घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही फुटेज का अवलोकन किया जिसमें संदिग्ध व्यक्ति आते-जाते दिखा। उपरोक्त घटना के संबंध में सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति ट्रांसपोर्ट नगर में एक्टिवा वाहन बेचने के लिये ग्राहक तलाश रहा है कि सूचना पर मुखबीर के निशानदेही पर एक व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया नाम पता पुछने पर अपना नाम कुन्दन कुमार राय पिता मदन राम उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम पालमो थाना हिरोडीह जिला गिरीडीह झारखण्ड का रहने वाला बताया। व्यक्ति के पास रखे एक्टिवा सीजी 12 एन 4657 के दस्तावेज के संबंध में पूछताछ करने संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर संदेही से कड़ाई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा विगत रात्रि को ट्रान्सपोर्ट नगर शराब दुकान पार्किंग स्थल से होण्डा एक्टिवा कमांक सीजी 12 एन 4657 ग्रे कलर को चोरी करना बताया।

चालानी कार्यवाही के दौरान शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले 03 व्यक्तियों पर अपराध दर्ज

रिंग रोड नंबर 4 टाटीबंध में नो पार्किंग में खड़ी वाहनों पर कार्यवाही के दौरान विरोध करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ किया गया अपराध दर्ज

रायपुर। बता दे की रायपुर कमिश्नरेट अंतर्गत यातायात पुलिस रायपुर द्वारा लगातार शहर के प्रमुख मार्ग एवं रिंग रोड में नो पार्किंग में वाहन खड़ी कर यातायात अवरुद्ध करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार अभियान कार्यवाही की जा रही है , विगत रात्रि लगभग 8 बजे के आसपास टाटीबंध चौक से सिलतरा बाईपास रिंग रोड नंबर 4 में यातायात थाना टाटीबंध प्रभारी निरीक्षक विशाल कुजूर के साथ प्रधान आरक्षक संदीप मिश्रा, आरक्षक संजीत सिंह एवं डी उमेश थाना टाटीबंध के द्वारा नो पार्किंग में खड़ी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध ई चालान की कार्यवाही की जा रही थी ठीक उसी समय टाटीबंध चौक से लगे हुए रिंग रोड 4 बायपास मार्ग में नो पार्किंग में खड़े एक ट्रक का ई-चालान बनाने के दौरान पास में ही एक्टिवा में तीन व्यक्ति बैठे थे जिनके द्वारा खड़ी गाड़ियों एवं ब्रेकडाउन गाड़ियों पर रोज चालान करते हो कहकर काफी विवाद करने लगा , तीनों व्यक्ति नशे में थे उनके द्वारा ई-चालान डिवाइस एवं मोबाइल को छीनने की कोशिश करते हुए धक्का देने लगे, जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस कंट्रोल को सूचना दी गई , तत्काल कार्यवाही स्थल पर आमानाका थाना पेट्रोलिंग पहुंचा जिसको घटना की जानकारी देते हुए उक्त तीनों व्यक्ति को पेट्रोलिंग के सुपुर्द किया गया जिस पर संज्ञान लेते हुए थाना आमानाका में संदीप सिंह, हरदीप सिंह एवं प्रिंसपाल सिंह के विरुद्ध अपराध क्रमांक 87 दिनांक 13.03.2026 को BNS की धारा 296,132, 221, 121 (1) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया। जिन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जिनके आदेश पर जेल दाखिल किया गया।

गैस की किल्लत से राहत देने के बजाय भाजपा गैस संकट के बारे में झूठ बोल रही

अफीम की खेती करने वाले को भाजपा बचा रही

रायपुर :- प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला और प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने पत्रकार वार्ता लेकर कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में गैस की किल्लत शुरू हो गयी है। आम आदमी परेशान हो रहा है। गैस एजेंसियों के सामने लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है। गैस कंपनियों के बुकिंग नंबर लगभग बंद सर्वर का बहाना बनाकर बुकिंग लेना बंद कर दिया गया है और सरकार जमीनी हकीकत को मानने को तैयार नहीं है। भाजपा की तरफसे बयानबाजी करके कहा जा रहा कि गैस की किल्लत नहीं है, कांग्रेस भ्रम फैला रही है। क्या कांग्रेस ने लोगों से कहा है कि सब कुछ छोड़कर आप गैस एजेंसियों के सामने लाइन में खड़े हो। लोगों के घर में गैस नहीं होने के कारण चूल्हे नहीं जल रहे और भाजपा कहती है अफवाहों पर ध्यान मत दे।

सरकार अखबारों में और सोशल मीडिया में विज्ञापन देकर दावा कर रही है कि गैस की आपूर्ति सामान्य है। फिर एजेंसियों में भीड़ क्यों है? बुकिंग लेना बंद क्यों किया गया है? आम आदमी को शौक लगा है कि वह अपना काम धाम छोड़कर एक सिलेंडर लेने के लिए घंटों लाइन में खड़ा है। सरकार ने अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई क्यों बंद कर दिया? अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई अघोषित तौर पर रोक देने से घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग होगा, कालाबाजारी होगी और होटल व्यवसाईयों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, जिससे कुक्ड फूड के दाम भी प्रभावित होंगे। राजधानी के लगभग आधे रेस्टोरेंट गैस की किल्लत के कारण बंद होने की स्थिति में है। देश में 12 सालों में मोदी की सरकार है, इन 12 सालों में मोदी की सरकार ने क्रूड ऑयल और गैस भंडारण के लिए एक भी भंडार नहीं बनाये।

थाना टिकरापारा क्षेत्रांतर्गत भाठगांव स्थित न्यू बस स्टैण्ड से चोरी किया था बस।

बस चोरी करने वाला आरोपी मनबोध रात्रे उर्फ टेटू गिरफ्तार

आरोपी की पतासाजी हेतु खंगाले गये हजारों सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेज।

आरोपी के कब्जे से चोरी की बस क्रमांक सी जी 07 ई 0782 कीमती लगभग 10,00,000/- रूपये किया गया है जप्त।

आरोपी के विरूद्ध थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 197/2026 धारा 305 बी.एन.एस. का अपराध किया गया है पंजीबद्ध।

रायपुर। प्रार्थी अब्दुल अलीम ने थाना टिकरापारा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह डुमतराई, रायपुर में रहता है तथा बस ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करता है। बस क्रमांक सी जी 07 ई 0782 का संचालन एवं देखरेख का कार्य प्रार्थी द्वारा किया जाता है। दिनांक 06.03.2026 को शाम करीब 07:30 बजे बस का चालक नया बस स्टैंड भाठागांव में उक्त बस को खड़ी कर बस की चाबी चालक सीट के नीचे रखकर रात में सोने के लिए अपने घर चला गया। दूसरे दिन 07.03.2026 को सुबह करीब 08:00 बजे चालक ने प्रार्थी को फोन कर बताया कि बस खड़ी किए गए स्थान पर नहीं है। इस पर प्रार्थी नया बस स्टैंड भाठागांव पहुंचकर बस की तलाश किया, लेकिन बस नहीं मिली। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 197/2026 धारा 305 बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना को पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) श्री संदीप कुमार पटेल एवं पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) श्री स्मृतिक राजनाला द्वारा गंभीरता से लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को अज्ञात आरोपी की शीघ्र

पतासाजी कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट तथा थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम का गठन कर तत्काल कार्यवाही प्रारंभ की गई। टीम द्वारा सर्वप्रथम घटनास्थल पहुंचकर स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात प्रार्थी, बस के चालक सहित आसपास के दुकानदारों, बस स्टैंड में कार्यरत कर्मचारियों एवं अन्य लोगों से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई तथा अज्ञात आरोपी की पतासाजी प्रारंभ की गई। टीम द्वारा घटनास्थल तथा उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों का बारीकी से अवलोकन किया गया। फुटेज के विश्लेषण में यह पाया गया कि एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा बस को स्वयं चलाते हुए वहां से ले जाया गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी द्वारा भागने के संभावित मार्गों का पता लगाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से उन सभी मार्गों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों का अध्ययन किया, जिन मार्गों से बस को ले जाया जा रहा था। साथ ही बस में लगे फास्टैग के आधार पर विभिन्न टोल प्लाजा से भी बस के आवागमन संबंधी जानकारी एकत्र की गई। इस दौरान तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण तथा संभावित मार्गों के आधार पर आरोपी की गतिविधियों का क्रमबद्ध तरीके से पता लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार तकनीकी विश्लेषण, स्थानीय स्तर पर पूछताछ एवं मुखबिर सक्रिय कर आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान प्राप्त तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिसके आधार पर आरोपी की पहचान मनबोध रात्रे उर्फ टेटू निवासी गेवरा बस्ती जिला कोरबा के रूप में की गई। सघन पतासाजी एवं प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम को जिला जांजगीर-चांपा के अकलतरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तरौंद में आरोपी के होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर तत्काल घेराबंदी कर आरोपी मनबोध रात्रे उर्फ टेटू को पकड़ने में सफलता प्राप्त की गई। पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि वह नया बस स्टैंड भाठागांव में हेल्पर का कार्य करता है।

संपादकीय

ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी

खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। विडंबना ही है कि जिस सुबह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसेइदी ने जानकारी दी कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के भंडार को खत्म करने और आगे संवर्धन ना करने पर राजी हो गया है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर साझा हमला बोल दिया। इसका एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कहा, उसका अर्थ यही था कि वे इतने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि ईरान में सत्ता परिवर्तन उनका मकसद है, ताकि पश्चिम एशिया में आगे चल कर इजराइल को चुनौती दे सकने वाला कोई देश ना रहे। इस उद्देश्य में अमेरिका-इजराइल को आरंभिक सफलता भी मिली। उनके हमलों में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनई मारे गए। लेकिन अब यह स्पष्ट है कि उससे तखता पलट का मकसद तुरंत हासिल होने नहीं हुआ है। ईरान के इस्लामी शासन ने उत्तराधिकार की कई स्तरों की व्यवस्था की हुई है, जिसमें आपातकालीन उत्तराधिकार भी शामिल है। खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। कोरिया और वियतनाम युद्धों के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी शक्ति ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इतने बेखौफ ढंग से हमले किए हों। उधर पूरा पश्चिम एशिया लड़ाई के दायरे में आता दिख रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के अंदेशे ने ठोस रूप ले लिया है। इसके बीच 'छोटी और निर्णायक' लड़ाई की डॉनल्ड ट्रंप की मंशा पूरी होने की संभावना कम ही है। तखता पलट के बिना आखिर क्या वो मकसद होगा, जिससे ट्रंप अपनी जीत का एलान कर सकें, यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। इस रणनीतिक अस्पष्टता के कारण युद्ध का लंबा खिंचा, तो उसकी आंच दुनिया भर तक पहुंचेगी। ईरान ने होरमुज खाड़ी और उसके सहयोगी यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती) ने लाल सागर को बंद करने का एलान किया है। इससे विश्व स्तर पर ऊर्जा संकट खड़ा हो सकता है। उसके गहरे वित्तीय एवं आर्थिक परिणामों की आशंका मंडराने लगी है।

नियमों का पालन करने को कहना, पक्षपात नहीं है

लोकतंत्र में संसद का अपना अहम स्थान है।यहां देश के चुने हुए प्रतिनिधि देश के लिए जरूरी कानून बनाते हैं,देश की गंभीर समस्याओ ? पर चर्चा करते हैं,समाधान का प्रयास करते हैं।यह सब करने के लिए नियम बने हुए हैं इसलिए लोकसभा अध्यक्ष सबसे से संसद के भीतर नियमों का पालन करते हुए अपनी बात कहने को कहते हैं। इससे संसद में व्यवस्था बनी रहती है और सबको अपनी बात कहने का मौका मिलता है और सभी अपनी बात को नियमों के अनुसार कहते हैं और सार्थक बहस हो पाती है। अध्यक्ष किसी भी दल का रहे उसका काम होता है संसद के भीतर जो कुछ हो नियमों के अनुसार हो, ताकि संसद में व्यवस्था बनी रही,संसद की गरिमा बनी रहे। देश के लोगों को पता रहे कि उसके जनप्रतिनिधि उनके हित में संसद के भीतर क्या कर रहे हैं, क्या कह रहे हैं। अध्यक्ष यदि नेता प्रतिपक्ष या किसी सदस्य को नियमों का पालन करने को कहता है तो यह किसी के साथ पक्षपात करना नहीं होता है। अध्यक्ष का काम है यदि कोई सदस्य नियमों का पालन नहीं कर रहा है तो उसे बताना कि आप नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अध्यक्ष नियमों का पालन न करवाए तो संसद में कौन क्या कह रहा है इसका तो कोई मतलब नहीं रह जाएगा क्योंकि सब के सब एक साथ कहेंगे तो संसद में किसने क्या कहा कैसे पता चलेगा क्योंकि शोर में तो किसी की बात सुनी नहीं जा सकती। इसलिए संसद में जब कोई सदस्य कुछ कहता है तो उसका माइक चालू कर बाकी लोगों का माइक बंद रहता है। माइक बंद रहता है तो यह नियम के अनुसार रहता है। सब जानते हैं कि माइक बंद रहता है तो कब बंद रहता है लेकिन लोकसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाना है तो कह दिया जाता है उनका माइक बंद कर दिया जाता है।विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष के साथ भेदभाव किया जाता है। अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान तरुण गोगोई ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान एलओपी राहुल गांधी को 20 बार बोलने से रोका।यह सच है कि राहुल गांधी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 20 बोर टोका। गोगोई तो उतना ही सच बता रहे हैं जिससे उनका आधा सच लोगों को पूरा सच लगे. देश के लोगों को लगे कि हां गोगोई सच कर रहे हैं कि राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोका गया है लेकिन गोगोई यह सच नहीं बताते हैं कि अध्यक्ष बिरला ने उनको बोलने से 20 बार मना किया तो क्यों मना किया. बिरला ने राहुल गांधी को बोलने से इसलिए मना किया वह नियमों के विपरीत बोलने का प्रयास कर रहे थे और बिरला उनको बता रहे थे कि आप नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। संसद में कोई भी सदस्य चाहे वह राहुल गांधी हों या और कोई यदि वह नियमों का पालन नहीं करेगा तो अध्यक्ष तो उसे बताएंगे ही कि आप नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। आज सब जानते हैं कि राहुल गांधी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जो कुछ कहना चाह रहे थे वह नियमों के अनुरूप नहीं था, संसद में किसी किताब को कोई हिस्सा तब ही पढ़ा जा सकता है,जब वह प्रकाशित हो और उसे संसद में रखा जा सके। राहुल गांधी ऐसी किताब को कोई हिस्सा पढ़ना चाह रहे थे जो प्रकाशित ही नहीं हुआ था।राहुल गांधी को गांधी परिवार से होने के कारण बड़ा घमंड और इसी वजह से जब भी उनको अध्यक्ष किसी वजह से रोकते है और टोकते हैं तो उनको बुरा लगता है और उनके आसपास के लोगों को और बुरा लगता है कि आप राहुल गांधी को कैसे रोक या टोक सकते हो। यानी अध्यक्ष से यह अपेक्षा की जाती है कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष है और गांधी परिवार से है इसलिए उनके साथ ऐसा व्यवहार कैसे किया जा सकता है।

सवालों के घेरे में नीतीश कुमार की विदाई

उमेश चतुर्वेदी

दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे नीतीश कुमार की विदाई को लेकर सियासी गलियारों में जितनी हैरत जताई जा रही है, सवाल भी उतने ही उठ रहे हैं। बीस साल से कुछ ज्यादा वक्त से लगातार बिहार की सत्ता में बने रहे नीतीश का सियासी स्वभाव ही सवालों और आश्चर्य की वजह बना है। नीतीश ने जब से सत्ता संभाली है, उन्होंने कभी ऐसा जाहिर नहीं किया कि वे सत्ता से दूर हो सकते हैं। बीच में जीतन राम मांझी को नौ महीने के लिए सत्ता सौंपकर संन्यासी और बीतरागी जैसा दिखने की कोशिश उन्होंने जरूर की, लेकिन वह सिर्फदिखावा था। सत्ता का असल सूत्र उनके ही हाथ था। जब लगा कि मांझी उस सूत्र को काट कर स्वाधीन पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, उस धागे को काट सत्ता खुद थाम ली थी। नीतीश सत्ता को इतनी आसानी से छोड़ देंगे, इस पर आसानी से भरोसा ना करने की वजह उनका अतीत रहा है। कभी जीन विवाद तो कभी किसी दूसरी वजह से उन्होंने अपनी पुरानी सहयोगी बीजेपी को छोड़ उस लालू का हाथ दो-दो बार थाम लिया, जिनके विरोध की बुनियाद पर ही उनकी राजनीति परवान चढ़ी। फिर जब उन्हें लगा कि लालू का साथ उनकी सियासी नैया को डुबो देगा तो फिर बीजेपी की ओर लौटने में भी उन्होंने देर नहीं लगाई। यह सियासी आवाजाही हर हाल में सत्ता पर पकड़ बनाए रखने की उनकी चाहत का ही प्रतीक लगती है। इसी वजह से उनकी विदाई को सहजता से स्वीकार करना कठिन हो रहा है। राजनीति का एक चरित्र है। अपने कदमों को लिए वह जिन कारणों को गिनाती है, हकीकत में वे कारण होते ही नहीं। नीतीश ने भी कहा है कि वे चाहते थे कि संसद के दोनों सदनों और विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्य बनें। विधानमंडल और लोकसभा के वे सदस्य रह लिए हैं, लेकिन राज्य सभा के वे सदस्य कभी रहे नहीं। इसलिए वे बिहार की राजनीति छोड़ राज्यसभा का सदस्य बनने जा रहे हैं। हो सकता है कि नीतीश की यह चाहत रही हो, लेकिन उनके बिहार को छोड़ने के पीछे का यह सच अधूरा है। विगत दो साल में नीतीश कुमार की जुबान कई बार फिसली है। उनकी हरकतें भी कई बार हास्यास्पद रही हैं। नीतीश की छवि ऐसे गंभीर शख्सियत की रही है, जो नाप-तोलकर बोलता है। इसी छवि ने गाहे-बगाहे फिसलती रही जुबान और उल-जलूल हरकतों के बावजूद उनके प्रति लोगों का सम्मान कम नहीं होने दिया है। इसी छवि के चलते विगत के बिहार चुनाव में एनडीए को भारी जीत भी मिली। लेकिन इसके साथ ही यह भी मान लिया गया कि इन चुनावों के बाद नीतीश की विदाई भी हो सकती है। यह कहना मुश्किल है कि बीजेपी और जनता दल यू ने तय किया हो कि चुनाव बाद नीतीश हट जाएंगे या हटा दिए जाएंगे। लेकिन जिस तरह से नीतीश ने खुद को बिहार से दूर किया है, उससे लगता है कि दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच ऐसी समझ विकसित हो चुकी थी। चूंकि इसकी भनक बाहर नहीं लग पाई थी, इसलिए यह बदलाव लोगों को आसानी से पच नहीं रहा। नीतीश ने जिस जनता दल यू को सींचा-खड़ा किया है, उसका भी चरित्र कुछ-कुछ कांग्रेस की तरह हो गया है। जिस तरह नेहरू-गांधी परिवार कांग्रेस को एक रखने का चुंबक है, नीतीश ही जनता दल यू के लिए उसी तरह के चुंबक हैं। बेशक राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन, संजय झा, विजय चौधरी और अशोक चौधरी, नीतीश के बेहद करीब हैं। लेकिन इन चारों की समूचे जनता दल यू में स्वीकार्यता नहीं है। जदयू को एक नीतीश रख सकते हैं या उनके बेटे निशांत। जदयू को एक रखने के लिए निशांत का राजनीति में आना जरूरी है। राजनीति में उनके प्रवेश की अटकलें करीब दो वर्षों से लगाई जा रही हैं। नीतीश की छवि परिवारवाद विरोधी नेता की भी है। बिहार की राजनीति के केंद्र में उन्हें लाने के पीछे लालू के परिवारवाद पर उनका तीखा हमला भी रहा है। ऐसे में नीतीश के बाद सीधे निशांत की ताजपोशी उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकती थी, लिहाजा निशांत को उत्तराधिकार सौंपने के लिए ऐसी राह चुनी गई है, जिससे नीतीश को कम से कम नुकसान हो। इसलिए वे दिल्ली में राज्यसभा की शोभा बढ़ाने जा रहे हैं, जबकि नीतीश बिहार की सत्ता में नंबर दो की पोजिशन संभालने जा रहे हैं। इस कदम से निशांत को सीधे बिहार की सत्ता मिल भी नहीं रही और जदयू पर पकड़ के लिए मजबूत रस्सी भी थमाई जा रही है।

बिहार इन दिनों आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जीविका दीदियों के खाते में अब तक 18 हजार एक सौ करोड़ दिए जा चुके हैं। दो साल में करीब दो लाख कर्मचारियों की भर्ती के बाद राज्य का वेतन खर्च 70 हजार करोड़ से ज्यादा हो चुका है। पेंशन खर्च पैंतीस हजार करोड़ हो चुका है। राज्य का बजट तीन लाख 67 हजार करोड़ का है। इसमें से पैंसठ फीसद खर्च प्रतिबद्ध खर्च है यानी विकास और योजना पर। राज्य की आर्थिक स्थिति की गड़बड़ी के चलते लालू राज के बाद पहली बार वित्त विभाग को आदेश देना पड़ा है कि कर्मचारियों के वेतन खर्च के अलावा कोई भुगतान ना किया जाए। नीतीश को यह कठिनाई पता है। माना जा रहा है कि बीजेपी को सत्ता सौंपने के पीछे उनका मकसद यह भी माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में राज्य के इस आर्थिक संकट को सत्ता के केंद्र में होने के चलते उसे भुगतना पड़ेगा। हो सकता है कि अपने लोगों के हाथ सत्ता होने के चलते बिहार को मोदी सरकार की ओर से केंद्रीय मदद मिल जाए।

1967 में आठ राज्यों में बनी संविद सरकारों में बीजेपी की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ ने समाजवादी दलों का साथ दिया था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल को छोड़ दें तो हर राज्य में समाजवादी दलों की वह सहयोगी रही। समाजवाद के साथ शुरू बीजेपी की यात्रा में धीरे-धीरे समाजवादी दलों का जनाधार छीजता चला गया। इस तरह उनका अस्तित्व ही खत्म हो गया। बीजेपी की इस वर्चस्ववादी यात्रा की राह में नीतीश का जनता दल यू और नवीन पटनायक का बीजू जनता दल रोड़ा रहा है। उड़ीसा के पिछले चुनाव में बीजेपी पटनायक को पटखनी दे चुकी है और अब नीतीश कुमार ने खुद ही कुर्सी खाली कर दी है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि बिहार में बीजेपी का अगुआ बनने का सपना पूरा होने जा रहा है। नीतीश अब बिहार की सत्ता का अतीत हैं। उनकी उपलब्धियां भी कम नहीं हैं। पहले दो कार्यकाल तक यानी 2015 तक उन्होंने बिहार को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया है। नीतीश की एक और उपलब्धि यह है कि लगातार बीजेपी का साथ होने के बावजूद उन्होंने अपनी सरकार का समाजवादी स्वरूप बचाए रखा। सुशासन और सरकार के समाजवादी स्वरूप के चलते नीतीश की राष्ट्रव्यापी छवि बनी। नीतीश की छवि तो बनी, लेकिन उन्होंने बिहार से बाहर अपना संगठन खड़ा नहीं किया। एक बार अरूणाचल में जदयू के 11 विधायक चुने गए, लेकिन उन्हें सहेजने में नीतीश की दिलचस्पी नहीं रही। इससे दुखी विधायक एक-एक कर पार्टी छोड़ गए। 2023 में इसी छवि के चलते उन्होंने इंडिया गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस का अहं उनकी राह में आड़े आ गया। अगर कांग्रेस ने अपने नेतृत्व को आगे रखने की चाहत का बलिदान किया होता और नीतीश को संयोजक बना दिया होता, शायद इतिहास अलग होता।

ट्रंप ने पिछले एक वर्ष में दुनिया को हांका

हरिशंकर व्यास

देश-सभ्यता विशेष को व्यक्ति विशेष कितना तबाह कर देता है और संविधान, सुप्रीम कोर्ट कैसे देश बचाने की ढाल बनते हैं, इसका प्रमाण आज अमेरिका है। उस नाते अमेरिका के ढाई सौ साल और भारत की स्वतंत्रता, संविधान के आठ दशकों का क्या फर्क है? भारत ने कुछ ही दशकों में संविधान से सरकार को 'हम भारत के लोग' का माईबाप बना दिया। संस्थाएं बिना रीढ़ की हो गईं। नतीजतन 140 करोड़ लोग खैरात से भय, भूख, भक्ति की जिंदगी जी रहे हैं। ठीक विपरीत ढाई सौ साल पुराने अमेरिकी संविधान को खंगालें तो एकमात्र डोनाल्ड ट्रंप वह राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने संविधान-संस्थाओं को बेशर्मी से ठेंगा दिखाया। संविधान के एक आपातकालीन प्रावधान के हवाले टैरिफ के वे मनमाने फरमान निकाले, जिससे दुनिया में त्राहिमाम हुआ। पर अमेरिका के नागरिकों ने ही इस मनमानी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी! और सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने (तीन विरोध में) बहुमत से दो टूक यह फैसला दिया, ट्रंप के टैरिफ अवैध हैं! दुनिया में कितने ऐसे सुप्रीम कोर्ट हैं, जिनके जजों में ऐसी रीढ़ की हड्डी है? ट्रंप ने भी पिछले कार्यकाल में अपने जज नियुक्त किए थे। उनमें से भी राष्ट्रपति के फैसलों को अवैध करार देने वाले जज थे। चीफ जस्टिस सहित सभी नौ जजों ने जांच-तौल में लिखे गए प्रावधानों की व्याख्या तर्कों के साथ की और साफ बहुमत से ट्रंप के फैसलों को अवैध करार दिया।

ट्रंप का बौखलाना स्वाभाविक था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और जजों के खिलाफ विदेशी प्रभाव से लेकर कुत्ते जैसे जुमलों तक से हमला किया। और यह भी अमेरिकी संविधान की इस बुनियाद पर है कि नागरिक का मूलभूत अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता में कुछ भी कहने, यानी उसकी अभिव्यक्ति की आजादी का अबाध हक है। राष्ट्रपति डराएं, धमकाएं, कार्यपालिका को मनमाफिक चलाएं, सुप्रीम कोर्ट का जज न डरेगा, न चिंता करेगा। वह संविधान के प्रति प्रतिबद्धता में वही फैसला देगा जो संविधान का सत्य है और उसकी जो समझ या व्याख्या है। सरकार या राष्ट्रपति से डरना, या कानून मंत्रियों की दखलंदाजी का अमेरिकी न्यायपालिका में कोई अर्थ नहीं है। न्यायपालिका की वैसी ही पृथक सत्ता है जैसी विधायिका-संसद की अपनी पृथक स्वतंत्रता है, तो बतौर कार्यपालिका के प्रमुख राष्ट्रपति का पावर भी पृथक और स्पष्ट है। तभी सुप्रीम कोर्ट ने संविधान-प्रदत्त आपातकालीन प्रावधानों के हवाले ट्रंप के टैरिफ अवैध करार दिए तो ट्रंप ने फटाफट अपने दूसरे अधिकार से 15 प्रतिशत टैरिफ का नया आदेश निकाला। पर इस आदेश के टैरिफ पांच महीने ही मान्य रहेंगे। फिर संसद जाना पड़ेगा। इस प्रावधान में टैरिफ लगाने की सीमा पंद्रह प्रतिशत ही है। जाहिर है, ऐसा करके ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की परवाह न करने, मतलब अपने अहंकार को फिर दर्शाया।

इससे बदनामी, भद्द किसकी हो रही है? पूरी दुनिया और खासकर यूरोप के असल लोकतांत्रिक देशों में किसकी वाहवाही है? अमेरिका और अमेरिकी संविधान की। ट्रंप की नाराजगी की बिना चिंता किए वैश्विक मीडिया और नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सत्ता के संतुलन की जीत बताया। मतलब कोर्ट ने कार्यपालिका (राष्ट्रपति) की सीमाओं को स्पष्टता से दर्शाया है कि अमेरिका में कोई भी शाखा अवैध रूप से अधिक शक्ति नहीं ले सकती। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, 'लोकतंत्र में पावर काउंटरवेट्स (जांच-तौल) आवश्यक हैं'। कनाडा सरकार ने और हिम्मत दिखाई, 'तो टैरिफ गैरकानूनी साबित'! और तो और ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने संवैधानिक संतुलन (चेक-बैलेंस) के पक्ष में फैसला सटीक बताया।

सोचें, दुनिया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कैसी राहत ली होगी? मन ही मन अमेरिका का कैसा मान बना होगा। आश्चर्य नहीं होगा यदि यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन आदि ट्रंप प्रशासन की दादागिरी में हुए व्यापार समझौते को खारिज करें या टाल दें। मंगलवार को ट्रंप संसद के साझा सत्र में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण देंगे। उन्हें ठीक सामने बैठे सुप्रीम कोर्ट के जज भी सुनेंगे। संभव है यह मौका कुछ अनहोनी लिए हुए हो। नामुमकिन नहीं कि ट्रंप सामने बैठे जजों को भला-बुरा कहें। या उनके भक्त रिपब्लिकन सांसद बनाम डेमोक्रेटिक सांसदों में राजनीतिक भिड़ंत हो! राष्ट्रपति ट्रंप ने विधायिका यानी संसद पर भी दबिश बनाई हुई है। पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संसद के ही टैरिफ अधिकारों की पुष्टि है, तो सांसदों पर राष्ट्रपति के भड़भड़िया भाषण का विशेष असर नहीं होगा। लेकिन हंगामा तो संभव है। जो हो, मूल सवाल हैङ्क अमेरिका का ऐसा बेजोड़ होना किस कारण से है? मेरा मानना है एकमेव वजह अमेरिकी नींव, संविधान है। और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका उन स्वतंत्रचेता मनुष्यों से निर्मित है जिनकी मूल वृत्ति (बेसिक इंस्टिंक्ट) आकाश में उड़ने, स्वतंत्रता से जीने तथा मन का कुछ करने का लक्ष्य होता है। तभी दुनिया भर के और स्वतंत्रता के बाद भारत के भी पढ़े-लिखे, पुरुषार्थी लोग सर्वाधिक अमेरिका गए। सभी अमेरिका के परिवेश में अपने अवसर मानकर गए। इस ललक के साथ कि वे कुछ बनें, खिलें और जिंदगी संतोष, सुरक्षा, स्वाभिमान से जिएं। सवाल है, क्यों अमेरिका में यह ज्यादा संभव है? इसलिए क्योंकि सरकार, कार्यपालिका, अफसर-बाबुओं का जिंदगी में न्यूनतम दखल है (ट्रंप ने इसे भयावह तौर पर बिगाड़ा है) और खुली सांस में जीना संभव है।

'कैरियर पिजन सर्विस अभी भी जीवित

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है ङ्क 'कैरियर पिजन सर्विस'। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

'कैरियर पिजन' या 'होमिंग पिजन' का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में 'पिजन नेटवर्क' स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से 'पिजन पोस्ट' शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में 'कैरियर पिजनों' ने जान भी बचाई, फ्रांस में 'चेर आमी' नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए 'पिजन सर्विस' चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के 'फ्लैश फ्लड्स' में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए।

सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक 'कैरियर पिजन' उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की 'पिजन सर्विस' की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के 'सुपर साइक्लोन' में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। 'बेल्जियन होमर' नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो 'लॉफ्ट' अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 'बेल्जियन होमर पिजन' और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की।

आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है। गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, विरासत को बचाओ।

यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्मार्टफोन पर जीती है, लेकिन जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यक्रमों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिर्फ नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है।

ओडिशा पुलिस की यह पहल दुनिया के लिए मिसाल है। अमेरिका, यूरोप या एशिया की कोई अन्य पुलिस फोर्स आज ऐसा नहीं कर रही। यह सिर्फ ओडिशा का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत है। हमें इसे और मजबूत करना चाहिए। ज्यादा 'लॉफ्ट', ज्यादा प्रशिक्षण, ज्यादा जागरूकता किया जाए। क्योंकि संचार सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि विश्वास और विश्वसनीयता का मामला है। जब आधुनिक दुनिया इंस्टेंट मैसेजिंग पर निर्भर है, तब ये उड़नहार संदेशवाहक हमें सिखाते हैं ङ्क कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं, वे सिर्फ विरासत बन जाती हैं। ओडिशा पुलिस की 'कैरियर पिजन सर्विस' इसी विरासत का जीवंत प्रतीक है। इसे बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन पंखों की उड़ान में इतिहास को महसूस कर सकें।

नवरात्रि में क्यों बोए जाते हैं जौ?

जानें ब्रह्म देव से क्या है कनेक्शन

नवरात्रि बड़ा पावन और विशेष माना जाता है। साल में चार बार नवरात्रि पड़ती है, जिसमें चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि बड़ी विशेष मानी जाती है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन चैत्र नवरात्रि शुरु होती है। इसी दिन से हिंदू नववर्ष शुरु होता है। इस साल 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो जाएगी। इसका समापन 27 मार्च को राम नवमी के पर्व के साथ होगा। पौराणिक मान्यता है कि चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन देवी दुर्गा ने अवतरित होकर दैत्य महिषासुर का अंत किया था। माना जाता है कि इस माह में माता धरती पर आकर भक्तों के दुख दूर करती हैं। नवरात्रि में विधि-विधान से माता की पूजा की जाती है। साथ ही व्रत किया जाता है। नवरात्रि में पूजा के दौरान जौ बोए जाते हैं। आइए जानते हैं क्यों किया जाता है और जौ का ब्रह्म देव से क्या कनेक्शन है?

क्यों बोए जाते हैं जौ?

धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि के जौ बोना शुभ और मंगलकारी माना जाता है। जौ को जयंती और 'अन्नपूर्णा देवी' का स्वरूप माना जाता है। इसको 'जौ जयंती' भी कहा जाता है। कहा जाता है कि नवरात्रि में अगर जौ नहीं बोए जाते तो पूजा पूरी नहीं होती। ऐसा इसलिए क्योंकि जौ का अंकुरण घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।

ब्रह्मा जी से इसका क्या है संबंध?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जौ संसार का पहला अन्न है। जौ को ब्रह्मा जी का स्वरूप भी माना गया है। जब ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की रचना की, तो सबसे पहले जौ ही उत्पन्न हुए। यही कारण है कि इसे पूर्णसस्य अर्थात पूरी फसल कहा जाता है। जौ ऋषियों का बहुत प्रिय अनाज माना गया है। यही सारी वजहें हैं कि जौ को विशेष स्थान दिया गया है।

जौ बोने की विधि

नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना की जाती है। इसके साथ जौ बोने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। सबसे पहले एक साफ मिट्टी का बर्तन लें, जिसका मुंह खुला हो। इसमें पावन मिट्टी को डालें और जौ के दाने बो दें। हल्के साथ से पानी छिड़कें और ध्यान रहे कि मिट्टी नम रहे। इस पात्र को मां दुर्गा की प्रतिमा के पास रखें और रोजाना थोड़ा-थोड़ा पानी दें।

घर में कैसे रखें 'लड्डू गोपाल' की मूर्ति

भगवान कृष्ण का बाल स्वरूप यानी 'लड्डू गोपाल' घर के किसी सदस्य की तरह होते हैं। भक्त उन्हें केवल एक मूर्ति नहीं मानते, बल्कि घर का सबसे छोटा बच्चा मानकर उनकी सेवा करते हैं। अक्सर कई भक्तों के मन में यह सवाल आता है कि क्या घर में एक से ज्यादा यानी 'दो लड्डू गोपाल' रखे जा सकते हैं? और अगर रखे जाएं, तो उनके नियम क्या होंगे?अक्सर ऐसा होता है कि घर में पहले से लड्डू गोपाल विराजमान होते हैं और कोई हमें दूसरा विग्रह भेंट कर देता है, या फिर हमारा मन किसी और बाल स्वरूप पर आ जाता है। शास्त्रों और मान्यताओं की मानें तो घर में दो लड्डू गोपाल रखने में कोई मनाही नहीं है, लेकिन यहाँ 'सेवा' की जिम्मेदारी दोगुनी हो जाती है।

1. भेदभाव की कोई जगह नहीं

जैसे एक मां अपने दो बच्चों के बीच फर्क नहीं करती, वैसे ही आपको दोनों लड्डू गोपाल की सेवा बराबर भाव से करनी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि नए लड्डू गोपाल के लिए नए कपड़े आ रहे हैं और पुराने वाले को अनदेखा किया जा रहा है। दोनों का श्रृंगार, दोनों का लाड-प्यार एक जैसा होना चाहिए।

2. भोग और स्नान का नियम

लड्डू गोपाल की सेवा का मुख्य आधार उनका 'नित्य कर्म' है। अगर आप दो लड्डू गोपाल रखते हैं, तो दोनों को साथ में जगाना, साथ में स्नान कराना और एक साथ भोग लगाना जरूरी है। यदि आप एक को खिलाकर दूसरे को भूल जाते हैं, तो यह दोष माना जाता है।

3. भाई-भाई का भाव

भक्ति मार्ग में भाव प्रधान होता है। अगर आपके पास दो लड्डू गोपाल हैं, तो आप उन्हें बड़े भाई और छोटे भाई (जैसे कृष्ण और बलराम) के रूप में मानकर सेवा कर सकते हैं।

टैनिंग हटाने के देसी नुस्खे

टैनिंग स्किन को यूवी किरणों से बचाने का एक नेचुरल प्रोसेस होता है, दरअसल जब यूवी किरणें स्किन की एपिडर्मिस लेयर्स के अंदर जाती हैं तो त्वचा मेलानोसाइट्स बनाना शुरू करती है। ये वो कोशिकाएं हैं जिससे मेलेनिन का प्रोडक्शन होता है। इससे त्वचा जलने या डैमेज से काफी हद तक बच जाती है, लेकिन रंगत गहरी हो जाती है। तो चलिए जान लेते हैं कि आप कैसे टैनिंग को रिमूव कर सकते हैं।

धूप में ज्यादा रहने से टैनिंग होना आम समस्या है। इस वजह से स्किन अनइवन दिखाई देने लगती है और चेहरे पर भी डलनेस हो जाती है। लोग टैनिंग हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी करते हैं, जबकि कुछ घरेलू उपाय भी इस समस्या को कम करने में कमाल के कारगर होते हैं। आप अपनी किचन में ही मौजूद कुछ नेचुरल चीजों की मदद से टैनिंग को कम कर सकते हैं और स्किन की नेचुरल चमक वापस आ जाती है। कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे हैं जो टैनिंग हटाने में कारगर होते हैं और एक ही बार में बढ़िया रिजल्ट मिलता है।

टैनिंग रिमूव करने के लिए आप घर पर डी-टैन स्क्रब बना सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ बेसिक इनग्रेडिएंट्स चाहिए होंगे। जैसे चीनी, चंदन, हल्दी, कॉफी पाउडर, शहद, नारियल तेल और बॉडी वॉश।

सबसे पहले हल्दी को हल्का सा भून लें, अब इसमें कॉफी पाउडर और चीनी मिलाएं, इसके बाद शहद और नारियल तेल डालकर अच्छी तरह मिलाना है। इसमें सबसे लास्ट में बॉडी वॉश मिलना है। तैयार किए गए मिश्रण को नहाने से कुछ मिनट पहले शरीर के टैन वाले हिस्सों पर लगाएं और हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें। लगभग 45 मिनट के बाद नहा लें। इससे टैनिंग हटेगी और डेड स्किन भी निकल जाएगी। फेस पर इसे लगाना है तो चीनी और बॉडी वॉश न डालें। इसे पैक की तरह इस्तेमाल करें।

टैनिंग रिमूव करने के लिए आप सिंपल इनग्रेडिएंट्स के साथ फेस पैक बना सकते हैं जो एक ही बार में बढ़िया रिजल्ट देता है। इसके लिए 1 चम्मच बेसन में एक टमाटर का रस, एलोवेरा जेल, हल्दी और 1 चम्मच दही मिलाकर लगाएं। 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर फेस वॉश कर लें। स्किन ज्यादा ऑयली है तो 3-4 बूंद नींबू का रस भी इसमें एड किया जा सकता है।

सोने से पहले खा लें ये फल

सोने से पहले करें इन फलों का सेवन स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि सोने से पहले अपने रात्रिकालीन आहार में कुछ फलों को शामिल करने से उनके फलों के नाम गिनाये हैं जिनमें सेब ,चेरी , कीवी, केला और अनानास शामिल है।

अनानास के फायदे

इसी प्रकार अनानास में मेलाटोनिन, विटामिन सी, मैग्नीशियम और फाइबर की प्रचुरता होती है। ये सभी सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि अनानास ब्रोमेलैन भी होता है, जो अपने सूजनरोधी गुणों के कारण मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है और इस प्रकार आपकी नींद में सुधार करता है।

सेब के फायदे

विशेषज्ञों के मुताबिक सेब पोषक तत्वों का बड़ा स्रोत है जो रात की अच्छी नींद में योगदान दे सकता है। यह फल विटामिन और मेलाटोनिन से भरपूर है जो रात में जागने से रोकने में मदद कर सकता है। स्टार प्लेयर्स में से एक विटामिन बी -6 है, जो सेब में मौजूद है और अनिद्रा को कम कर सकता है। इसमें रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने और किसी व्यक्ति के सामान्य मूड के साथ-साथ समग्र कल्याण में सुधार करने में मदद मिलती है।

चेरी के फायदे

चेरी शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ा सकती है जो विश्राम और सोने में सहायक होती है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि चेरी से भी अधिक तीखा चेरी का रस, जो एक वायरल चलन का हिस्सा बन गया है, रात को अच्छी नींद लाने के लिए एक अछ्वुत पेय है।

अगर आप अनिद्रा से पीड़ित हैं और आपके मस्तिष्क के सांसारिक विचारों से घिरे रहने के कारण पूरी रात करवटें बदलते रहने से आपका सो पाना मुश्किल लगता है तो रात के आहार में कुछ फलों को शामिल करने से बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। ज्यादातर डॉक्टरों का मानना है कि हर दिन सात या आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए, हालांकि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद अक्सर पीछे छूट जाती है, वहीं अपनी नींद को नजरअंदाज करने से मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

सूजनरोधी गुणों, मेलाटोनिन और पोटेशियम के कारण बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञों ने ऐसे शीर्ष पांच

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। शासन-सत्ता या वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। नौकरी और व्यापार में आपके बुद्धि कौशल से किए गए कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आय के नए अवसर मिल सकते हैं।

वृषभ राशि - आज मन में किसी अज्ञात कारण से चिंता या भय रह सकता है। फिर भी सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि बनी रहेगी। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी कार्य के पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। धन संबंधी मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, खर्चों पर नियंत्रण रखें। रिश्तों में मधुरता आएगी और परिवार का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव से बचने के लिए ध्यान और योग करें।

मिथुन राशि - आज किसी रिश्तेदार या परिचित से मतभेद हो सकता है। हालांकि आपके प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार के संकेत मिलेंगे।कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, अनावश्यक खर्चों से बचें। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। सेहत में सुधार होगा, दिनचर्या संतुलित रखें।

कर्क राशि - आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, ऊर्जा बनी रहेगी।

सिंह राशि - आज आपको सम्मान या उपहार मिलने की संभावना है। महिला अधिकारी या घर की महिला मुखिया का सहयोग मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में उम्मीद से अधिक लाभ मिल सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि - आज भाग्य का साथ मिलेगा और कोई सुखद समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला राशि-आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक राशि – आज घर के लिए उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी हो सकती है। ससुराल पक्ष से सहयोग मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु राशि- आज आपके रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर राशि - आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। परिवार में सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। धन लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रह सकता है। घर-परिवार से जुड़े कार्यों में अधिक समय देना पड़ सकता है। सामाजिक गतिविधियों में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास रंग लाएंगे और मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और अपनों का सहयोग मिलेगा। सेहत सामान्य रहेगी, थकान से बचने के लिए आराम भी करें।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आ सकता है। व्यावसायिक प्रयास सफल होंगे और कार्यों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। नौकरी और व्यापार में किए गए प्रयास सफल होंगे और नई उपलब्धियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन दिनचर्या संतुलित रखें।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

परफेक्ट ग्रेवी बनाने का तरीका

भारतीय रसोई में दही का इस्तेमाल कई तरह की सब्जियों और ग्रेवी में किया जाता है। दही से बनी ग्रेवी का स्वाद हल्का खट्टा, क्रीमी और बेहद स्वादिष्ट होता है, इसलिए कही, दही वाली आलू की सब्जी, शाही ग्रेवी या कई दूसरी डिशेज में इसका खास महत्व होता है। दही न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह ग्रेवी को गाढ़ापन और अलग ही फ्लेवर भी देता है।लेकिन अक्सर खाना बनाते समय एक आम समस्या सामने आती है।ग्रेवी में दही डालते ही वह फट जाता है। कई बार ऐसा मेहनत से बनी सब्जी का स्वाद और टेक्सचर बिगड़ जाता है। दही के फटने से ग्रेवी अलग-अलग हिस्सों में बंट जाती है और वह उतनी स्मूद या क्रीमी नहीं रह पाती, जितनी हम चाहते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि ग्रेवी में दही मिलाने का सही तरीका क्या है?

क्यों फट जाता है दही ?

दही फटने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे अगर अगर आप बहुत गर्म या उबलती हुई ग्रेवी में सीधे दही डाल देते हैं तो तापमान ज्यादा होने की वजह से ये फट जाता है। इसके अलावा अगर आप दही को बिना फेंटे सीधे ग्रेवी में मिला दिया जाए तो भी ग्रेवी फटी-फटी रह सकती है और दही भी फट सकता है। साथ ही अगर बहुत ज्यादा खट्टा दही गर्म ग्रेवी में मिला दिया जाए तो भी इसके फटने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए हमेशा फ्रेश दही का ही इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं अगर ही बहुत पतला हो या उसमें पानी ज्यादा हो, तो गर्म ग्रेवी में डालने पर वह अलग हो सकता है।

ग्रेवी में दही डालते समय करें ये काम

ग्रेवी में डालने से पहले दही को अच्छे से फेंट लें, ताकि उसमें कोई गांठ न रहे और वह स्मूद हो जाए।इससके अलावा म्मच बेसन या थोड़ा सा आटा मिलाकर फेंटने से दही फटने की संभावना कम हो जाती है।दही डालते समय गैस की आंच धीमी कर दें और फिर धीरे-धीरे ग्रेवी में मिलाएं। दही डालते समय सब्जी को लगातार चलाते रहें, इससे दही अच्छी तरह मिल जाता है और फटता नहीं। साथ ही दही में पहले एक-दो चम्मच गर्म ग्रेवी मिलाकर उसे थोड़ा गर्म कर लें, फिर उसे कड़ाही में डालें।इससे टेम्प्रेचर बैलेंस में रहता है और दही फटता नहीं है।

आरे कॉलोनी का होगा कायापलट

मुंबई के गोरेगांव स्थित हरे-भरे जंगलों के लिए मशहूर आरे मिल्क कॉलोनी अब एक बड़े बदलाव की दहलीज पर खड़ी है। राज्य सरकार ने आरे क्षेत्र के व्यापक सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार किया है. इस मास्टर प्लान के तहत पूरे आरे क्षेत्र का कायापलट किया जाएगा। राज्य के दुग्ध विकास मंत्री अतुल सावे ने यह जानकारी दी.अतुल सावे ने बताया कि आरे के कायापलट के लिए वन और डेयरी और राजस्व विभाग की संयुक्त समिति बनाई गई है.इस समिति की कई बार बैठक भी हो चुकी है. समिति ने सर्वसम्मति से आरे जंगल का कायापलट करने का निर्णय लिया है. इसमें पूरे आरे जंगल का सौंदर्यीकरण, जगह -जगह सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे इसके साथ -साथ बड़ी संख्या में वृक्ष लगाएंगे जाएंगे।

सावे ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से भी काम किया जाएगा ताकि देश और विदेश से मुंबई आने वाले पर्यटक आरे में आए और यहाँ की जंगल को देख सके। आरे का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। सावे ने यह भी बताया कि आरे के कायापलट के लिए तैयार किए गए मास्टर प्लान के लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। अतुल सावे के मुताबिक सरकार आरे क्षेत्र को पूरी तरह अवैध कब्जों से मुक्त कराने की तैयारी में है। इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि जंगल और हरित क्षेत्र को संरक्षित किया जा सके। प्रशासन का मानना है कि अवैध निर्माण हटाने से पर्यावरण संतुलन को मजबूती मिलेगी। दुग्ध विकास मंत्री ने कहा कि आरे की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति की योजना बनाई जा रही है। ये गार्ड चौबीसों घंटे निगरानी करेंगे, जिससे पेड़ों की कटाई, अतिक्रमण और अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। सरकार आरे को और अधिक हरा भरा बनाने के लिए व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाएगी। हजारों की संख्या में नए पेड़ लगाए जाएंगे, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा

और मुंबई को "ग्रीन लंग्स" के रूप में नई पहचान मिलेगी। आरे को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की भी योजना है। प्राकृतिक वॉकिंग ट्रेल्स, इको-फ्रेंडली टूरिस्ट स्पॉट, व्यू प्वाइंट और बैठने की विशेष व्यवस्था, बच्चों और परिवारों के लिए सुरक्षित पिकनिक ज़ोन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

पर्यावरण और विकास का संतुलन

अतुल सावे ने कहा कि विकास कार्य पूरी तरह पर्यावरणीय मानकों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे, ताकि आरे की प्राकृतिक पहचान बरकरार रहे।आरे मिल्क कॉलोनी न केवल मुंबई की "हरित शान" के रूप में फिर से स्थापित होगी, बल्कि एक प्रमुख इको-टूरिज्म हब के रूप में भी उभर सकती है। अब सभी की नजरें सरकार के अंतिम फैसले और आगामी घोषणाओं पर टिकी हैं।

संरक्षण और संवर्धन की तैयारी

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जाएगी पारंपरिक कला, लोकनृत्य और हस्तशिल्प को प्रोत्साहन देने, सांस्कृतिक केंद्र स्थापित करने और युवाओं को प्रशिक्षण देने जैसे कदमों पर विचार किया जा रहा है।

आदिवासी संस्कृति से नहीं होगी कोई छेड़छाड़

आरे कॉलोनी में रह रहे हजारों आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। उल्टा उनकी परंपराओं, त्योहारों और लोक संस्कृति को संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना तैयार की जाएगी। प्रस्तावित परियोजनाओं के साथ-साथ आदिवासी विरासत को सहेजने पर खास जोर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मनोज बसन्त बने भाजपा अजा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, क्षेत्र में हर्ष की लहर

सारंगढ़-बिलाइगढ़। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के सांगठनिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योतिलाल पटेल की अनुशंसा और अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े के मार्गदर्शन में अजा मोर्चा के जिला अध्यक्ष देवेन्द्र रात्रे ने नई टीम का ऐलान किया है। इस नई कार्यकारिणी में मनोज बसन्त को भेड़वन गुडेली मंडल अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ?वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में हुई घोषणा ?पार्टी के अनुसार, यह नियुक्तियां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के कुशल मार्गदर्शन में की गई हैं। साथ ही, संभाग प्रभारी रामू रोहरा और जिला प्रभारी शंकर अग्रवाल के निर्देशों का पालन करते हुए जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को तवज्जो दी गई है। मनोज बसन्त अजा मोर्चा भेड़वन गुडेली मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर जिले के भाजपा नेताओं और मंडल स्तरीय कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता जाहिर की है। समर्थकों का कहना है कि उनकी सक्रियता से आगामी समय में संगठन को मंडल के कोने-कोने में विस्तार मिलेगा। अपनी नियुक्ति पर मनोज बसन्त ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा, पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगा और अनुसूचित जाति समाज को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य करता रहूँगा।

शिक्षा का मंदिर जब बन गया व्यापार तब रोने से क्या फायदा

बिलासपुर। सीबीएसई और स्टेट बोर्ड इन 2 के बीच छात्रों को झूलने से ही स्कूल संचालकों ने मोटी कमाई की है। खबरों का मुंह विज्ञापन से बंद किया जाता है। समय दर्शन मैं पिछले शैक्षणिक सत्र में भी डमी एडमिशन के खेल में करोड़ का वारा न्यारा कैसे हो रहा है इन पर विस्तार से न केवल लिखा बल्कि हर उचित फोरम पर शिकायत की जिले के दो बड़े स्कूल पर जांच दल आया सरकंडा स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार के स्कूल पर आर्थिक दंड लगा और एक अन्य स्कूलों की मान्यता ही समाप्त हो गई। कोविड कल में जब फीस पर निर्देश आया तो निजी स्कूल अपनी बैलेंस शीट लेकर उच्च न्यायालय पहुंचे। अन बैलेंस शीट को निकाल कर यदि कोई देखे तो पता चलता है कि वेतन पर खर्च कम और अन्य मदो पर ज्यादा पूरा खाता वही देखने से नो लॉस नो प्रॉफिट का होता है पर धन्ना से इस चैरिटी के लिए नहीं व्यापार के रूप में चलाते हैं और इन व्यापारी स्कूलों के सिक्के का दूसरा पहलू ही कोचिंग है। एक बार अस्पताल का धंधा मंदा हो सकता है पर स्कूल का नहीं विवाह से पैदा हो या बगैर विवाह के पैदा हो बच्चा किसी न किसी स्कूल में जाएगा ही। पलक स्व उच्च शिक्षित हो या कम शिक्षित वह अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देना चाहता है। और उसे लगता है की अच्छी शिक्षा का अर्थ पहले बड़ी फीस और व्यापारी कथित शिक्षा वेद बालक की इस कमजोरी को पकड़ कर चलता है। यही कारण है कि कमीशन और शिक्षा आपस में घुल मिल गए हैं। हर स्कूल के सामने कोचिंग के दलाल क्यों खड़े हैं इन्हें प्रचार की अनुमति भी अंदर से ही मिलती है और अनुमति फ्री में नहीं मिलती। शहर का लोकप्रिय ब्रिलिएंट स्कूल वर्षों से अस्पताल के साथ संचालित है क्या कभी इस पर किसी को आपत्ति हुई।

पीएम किसान की 22वीं किस्त जारी

सुकमा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त के तहत 13 मार्च 2026 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी, असम से किसानों के खातों में सम्मान राशि का हस्तांतरण किया। इस अवसर पर सुकमा जिले के 16,692 किसानों के खातों में कुल 4.21 करोड़ रुपये की राशि पहुंची।कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र सुकमा के सभागार में कृषि विभाग और केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग के अधिकारी, वैज्ञानिक और किसान शामिल हुए। कार्यक्रम में लगभग 90 किसानों ने भाग लिया, वहीं छिंदगढ़ विकासखंड मुख्यालय में आयोजित प्रसारण कार्यक्रम में 100 से अधिक किसान उपस्थित रहे।इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया, जिसमें किसानों की फसल संबंधी समस्याओं पर वैज्ञानिकों ने विस्तार से जानकारी और समाधान दिए।

राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक की कसौटी पर भेडवन PHC: 16 और 17 मार्च को दिल्ली की टीम करेगी सूक्ष्म मूल्यांकन

सारंगढ़-बिलाइगढ़। टारजन महेश (समय दर्शन) जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कड़ी मेहनत के बाद अब सारंगढ़-बिलाइगढ़ जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ने वाली है। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) भेडवन का चयन राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) प्रमाणीकरण के लिए किया गया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा नामित राष्ट्रीय मूल्यांकन कर्ता आगामी 16 और 17 मार्च को अस्पताल की सुविधाओं और सेवाओं का कड़ा परीक्षण करेंगे।

कलेक्टर डॉ ?संजय कुमार कनौजे के पदभार ग्रहण करते ही जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. एफ आर. निराला के

मार्गदर्शन में पिछले कई महीनों से स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला सलाहकार श्री कृष्ण पुरी गोस्वामी की प्रत्यक्ष निगरानी में अस्पताल के बुनियादी ढांचे से लेकर दस्तावेजीकरण तक के कार्यों को अंतिम रूप दिया गया, जिसके बाद ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण हुई।

दो दिवसीय सघन निरीक्षण की रूपरेखा- भारत सरकार द्वारा नियुक्त दो सदस्यीय टीम, जिसमें डॉ. अजय सिंह एवं डॉ. अंजु गोपे प्रधान शामिल हैं, 16 और 17 मार्च को भेडवन का दौरा करेंगे। इस दौरान अस्पताल की निम्नलिखित प्रमुख शाखाओं का मूल्यांकन होगा:

ओपीडी और आईपीडी: मरीजों के पंजीकरण से लेकर वार्ड में भर्ती की प्रक्रिया।

प्रसव कक्ष और लैबोरेट्री: सुरक्षित प्रसव की सुविधाएं और लैब में होने वाली जांचों की सटीकता।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम: टीबी, कुष्ठ, नेत्र, मलेरिया, फाइलेरिया और गैर-संचारी रोग (NCD) नियंत्रण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।

इन मानकों पर टिकी होगी रिपोर्ट

मूल्यांकन टीम केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि धरातल पर सुविधाओं की जांच करेगी:

स्वच्छता और व्यवस्था: बायोमेडिकल वेस्ट (BMW) प्रबंधन, फायर सेफ्टी, स्टोर रूम और पेयजल स्रोतों की शुद्धता।

मरीजों की सुविधाएं: आईपीडी में भर्ती मरीजों के लिए अलग-अलग दिनों के अनुसार रंगीन बेडशीट (कलर कोडिंग), पोषण आहार और एम्बुलेंस (परिवहन) सेवा।

हर्बल गार्डन: अस्पताल परिसर में औषधीय पौधों का रखरखाव।

साक्षात्कार: टीम न केवल डॉक्टरों और कर्मचारियों से तकनीकी सवाल पूछेगी, बल्कि वहां भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और व्यवहार का फीडबैक भी लेगी।

गोपनीय प्रतिवेदन से तय होगा भविष्य- दो दिनों तक चलने वाले इस सघन निरीक्षण के बाद मूल्यांकन कर्ता अपनी गोपनीय रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपेंगे। यदि पीएचसी भेडवन इन कड़े मानकों पर खरा उतरता है, तो इसे राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणीकरण प्राप्त होगा, जिससे न केवल जिले का मान बढ़ेगा बल्कि अस्पताल को अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन भी प्राप्त होगा, जिसका उपयोग जनसुविधाओं के और विस्तार में किया जा सकेगा।

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जरहागांव पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

आरोपी अरविन्द सोनवानी के विरूद्ध थाना जरहागांव मे अपराध क्रमांक 40/26 धारा 65,65(1),333,351(3) बीएनएस 4 पाक्सो एक्ट के तहत किया गया कार्यवाही

मुंगेली(समय दर्शन)प्रार्थी द्वारा थाना जरहागांव उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अपनी पत्नि व छोटे बच्चे के साथ रोजगार हेतू कमाने खाने गुजरात गया हुआ था तथा उसकी 12 वर्षीय नाबालिग पुत्री गांव मे घर पर अकेली रहकर कक्षा 7वीं की पढ़ाई कर रही थी। दिनांक 09.03.2026 को बालिका ने अपने पिता को फोन कर बताया कि उसकी तबियत ठीक नही है तथा उसे खतरा महसूस हो रहा है। सूचना मिलने पर प्रार्थी दिनांक 12.03.2026 को गुजरात से वापस पहुंचा, जहां पीड़िता ने बताया कि दिनांक 28.02.2026 की रात्रि लगभग 10-11 बजे जब वह कमरे से बाथरूम गयी और बाथरूम से वापस अपने कमरे मे आयी तो पड़ोसी अरविन्द सोनवानी पिता धर्मेन्द्र पहले से ही कमरे मे मौजुद था और आरोपी ने उसके हाथ और मुंह को कपड़े से बांधकर जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर चला गया कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना जरहागांव मे अपराध अपराध क्रमांक 40/26 धारा 65,65(1),333,351(3) बीएनएस 4 पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण नाबालिग बच्चे से संबंधित होने व मामले की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय, भोजराम पटेल (भापुसे.) के द्वारा त्वरित प्रकरण मे विधिवत कार्यवाही कर आरोपी की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिये गये, जिसके परिपालन मे अति.पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबडा व अति.पुलिस अधीक्षक श्री मयंक तिवारी के मार्गदर्शन मे पुलिस विवेचना के दौरान पीड़िता का डॉक्टरी परीक्षण कराया गया व कथन पश्चात् अन्य साक्ष्य एकत्रित कर मुखबीर एवं तकनीकी सहायता से आरोपी अरविन्द सोनवानी पिता धर्मेन्द्र उम्र 20 वर्ष निवासी फरहदा को हिरासत मे लेकर पुछताछ करने पर घटना दिनांक को अपराध कारित करना स्वीकार करने पर विधिवत दिनांक 13.03.2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही मे निरी. प्रसाद सिन्हा (प्रभारी सायबर सेल), उपनिरी. सतेन्द्रपुरी गोस्वामी (प्रभारी थाना जरहागांव), सायबर सेल एवं थाना जरहागांव का सराहनीय योगदान रहा।

लोरमी में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने परिवारजनों के साथ खेली खुशियों की होली

मंगलम भवन में होली मिलन समारोह, रंग-गुलाल और फाग गीतों से सजा माहौल

मुंगेली (समय दर्शन) लोरमी उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी के मंगलम भवन में आयोजित होली मिलन समारोह में क्षेत्रवासियों के साथ हर्षोल्लास से होली मनाई। इस अवसर पर उन्होंने सभी को रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। समारोह में परिवारजनों के साथ पूरे उत्साह से रंगों का पर्व मनाया।उप मुख्यमंत्री साव ने लोरमी के परिवारजनों को संबोधित करते हुए कहा कि होली प्रेम, भाईचारे और खुशियों का त्योहार है। आप सभी का इतने स्नेह के साथ यहां उपस्थित होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम किसी औपचारिक आयोजन की तरह नहीं है, यह लोरमी परिवार का मिलन है। उन्होंने सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी आकर्षक प्रस्तुति दी गई। लोक गायिका गरिमा दिवाकर-स्वर्णा दिवाकर और उनकी टीम ने फाग गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। पारंपरिक गीतों और रंग-गुलाल के बीच उपस्थित लोग उत्साह के साथ झूमते नजर आए।उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि सभी के सहयोग और आशीर्वाद से लोरमी क्षेत्र विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र में खुशहाली और प्रगति की कामना की।

गाली-गलौज करते हुए, गण्डासा से हमला, आरोपी गिरफ्तार थाना अकलतरा पुलिस की त्वरित कार्यवाही

आरोपी के कब्जे से एक गण्डासा जब्त कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

जांजगीर // समय दर्शन // थाना अकलतरा क्षेत्र के ग्राम किरारी में गाली- गलौज कर धारदार गण्डासा से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रार्थी संतोष कुमार कश्यप निवासी ग्राम किरारी की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 136/2026 धारा 296, 351(3), 115(2) भारतीय न्याय संहिता एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आज दिनांक 15 मार्च 2026 की सुबह लगभग 07 बजे ग्राम किरारी स्थित शिव मंदिर के पास आरोपी संतराम कश्यप (58 वर्ष) द्वारा प्रार्थी को मां-बहन की अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद आरोपी ने लोहे के घास काटने वाले धारदार गण्डासा से हमला कर दिया, जिससे प्रार्थी के हाथ में चोट आई।

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद थाना अकलतरा पुलिस ने तत्काल मामले को विवेचना में लिया जाकर आरोपी की तलाश कर उसे पकड़ने पर उसके मेमोरेण्डम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त एक नग लोहे का धारदार घास काटने वाला गण्डासा (लकड़ी का मुठ लगा हुआ) गवाहों के समक्ष जप्त किया गया। पुलिस ने आरोपी संतराम कश्यप को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।उपरोक्त कार्यवाही* में निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा एवं थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

रायपुर जिले में RAMP योजना अंतर्गत तीन दिवसीय सेक्टर स्पेसिफिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

रायपुर जिले में कृषि विकास सहकारी समिति लिमिटेड (KVSSL) द्वारा दिनांक 01, 02 एवं 03 मार्च 2026 को ग्राम सिवनी मे तीन दिवसीय सेक्टर स्पेसिफिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (CSIDC) के सहयोग से RAMP योजना के अंतर्गत संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य जिले के कार्यरत उद्यमियों एवं संभावित उद्यमियों को उद्यम स्थापना एवं संचालन से संबंधित आवश्यक तकनीकी, प्रशासनिक एवं विधिक जानकारियाँ प्रदान करना था, विशेष रूप से वन उत्पाद एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में संलग्न उद्यमियों को लक्षित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषि विकास सहकारी समिति लिमिटेड के विषय-विशेषज्ञों द्वारा लाइसेंसिंग प्रक्रिया, विपणन संपर्क (मार्केट लिंकेज) तथा विधिक अनुपालन (लीगल कंप्लायंस) से संबंधित विषयों पर क्रमबद्ध एवं विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उद्यम पंजीकरण, विपणन सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से समन्वय स्थापित करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गय

महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण विभाग के बजट में पोषण, महिला सशक्तिकरण और दिव्यांग हितों की उपेक्षा - चातुरी नंद

दिव्यांग पेंशन में बढ़ोत्तरी कर एक हजार प्रतिमाह, रेडी टू ईट का संचालन महिला समूहों को देने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति विभागीय मंत्री का कराया ध्यानाकर्षण

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने अनुदान मांगो के विरोध में अपनी बातें रखी। विधायक चातुरी नंद ने सदन में मांग संख्या 34 एवं 55 (महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण विभाग) के अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान बजट का विरोध करते हुए कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण और बाल विकास के बड़े-बड़े दावे तो कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेवाओं, पोषण आहार, महिला स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण तथा दिव्यांगजनों के कल्याण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं में गंभीर अनियमितताएं और लापरवाही सामने आ रही हैं।

विधायक ने कहा कि सरकार ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में वितरित होने वाले रेडी टू ईट पोषण आहार के संचालन को महिला स्व-सहायता समूहों को देने की घोषणा की थी, जिससे महिलाओं को रोजगार भी मिलेगा और पोषण आहार की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। लेकिन आज तक प्रदेश में इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि महिला समूहों को सशक्त बनाने के लिए की गई घोषणा केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसे पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ लागू किया जाना चाहिए।

विधायक ने कहा कि कई आंगनबाड़ी केन्द्रों में चिक्की और अन्य पोषण आहार की सप्लाई समय पर नहीं पहुंच रही है, जिससे बच्चों और गर्भवती एवं धात्री माताओं के पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री पोषण आहार योजना के तहत बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सप्लाई व्यवस्था में अव्यवस्था के कारण आंगनबाड़ी केन्द्रों तक

सामग्री समय पर नहीं पहुंच पाती। वर्तमान में पोषण सामग्री की आपूर्ति बीज विकास निगम के माध्यम से की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, जिससे कुपोषण जैसी गंभीर समस्या से निपटने के प्रयास कमजोर पड़ रहे हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए ड्रेस वितरण योजना में भी अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि टेंडर प्रक्रिया और वितरण व्यवस्था में गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आई हैं। कार्यकर्ताओं से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार अत्यंत गंभीर विषय है और इसकी निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

विधायक ने दिव्यांगजनों से जुड़ी योजनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बैटरी चलित वाहन वितरण योजना में 80 प्रतिशत दिव्यांगता और पांच वर्ष की अवधि की अनिवार्यता जैसी कठोर शर्तें लागू की गई हैं, जिसके कारण अनेक जरूरतमंद दिव्यांगजन इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने सरकार से इन शर्तों को समाप्त या सरल बनाने की मांग की, ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन इस योजना से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र के आधार पर कई लोग शासकीय सेवाओं में कार्यरत हैं और कुछ लोग तो उच्च पदों पर भी पहुंच चुके हैं। इस संबंध में जांच होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे वास्तविक दिव्यांगजनों के अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई कर वास्तविक लाभार्थियों के अधिकारों की रक्षा की जाए।

विधायक ने यह भी कहा कि वर्तमान में दिव्यांगो को कई योजनाओं के लिए ग्रामीण क्षेत्र की वर्ष 2002-03 तथा शहरी क्षेत्र की वर्ष 2007-08 की दिव्यांग सर्वे सूची को आधार माना जा रहा है, जो अब पूरी तरह पुरानी हो चुकी है। उन्होंने इस अनिवार्यता को समाप्त कर राज्य में नया व्यापक सर्वे कराने की मांग की, ताकि सभी पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि राज्य में दिव्यांगजनों को मात्र 500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में अत्यंत कम है। अन्य राज्यों में दिव्यांग पेंशन इससे कहीं अधिक दी जा रही है। इसलिए छत्तीसगढ़ में भी दिव्यांग पेंशन राशि को बढ़ाकर कम से कम 1000 रुपये प्रतिमाह किया जाना चाहिए, ताकि दिव्यांगजन सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें।

विधायक ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना के तहत निर्धन परिवारों की बेटियों का सामूहिक विवाह कराया जाता है और उन्हें उपहार सामग्री के साथ 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने का प्रावधान है, लेकिन कई मामलों में इस राशि के वितरण में अत्यधिक विलंब होता है तथा कुछ स्थानों पर फर्जी भुगतान की शिकायतें भी सामने आई हैं। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाने और पात्र हितग्राहियों को समय पर सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की।विधायक ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी योजनाएं समाज के सबसे संवेदनशील वर्गों से संबंधित हैं, इसलिए इन योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

खबर-खास

चार वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को अमलिपदर पुलिस ने किया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को पुराने स्थाई और अस्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया गया है।इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,एसडीओपी,के मार्गदर्शन में गरियाबंद थाना प्रभारी के द्वारा पुलिस की टीम बनाकर चार वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।जिसमें मिली जानकारी के अनुसार गरियाबंद सिटी कोतवाली के ग्राम मालगांव निवासी आरोपी सागर दास पिता उरानू दास के विरुद्ध चार वर्ष पूर्व धारा 505,420 295 ,506 बि के तहत कार्यवाही किया गया था उस कार्यवाही के बाद से आरोपी फरार था,जिसके चलते आरोपी को स्थायी वारंटी होने के चलते पुलिस टीम बनाई गई और आरोपी का पतासाजी किया गया,तब आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

साहू समाज के पदाधिकारीयों ने ली शपथ, आदर्श विवाह सम्पन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। साहू छात्रावास गरियाबंद में माता कर्मा जयंती का पर्व धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर माता कर्मा की पूजा अर्चना की गई।सभी नए पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र सौपा गया साथही तहसील एवं ग्रामीण के पदाधिकारी का सम्मान भी किया गया। समाज में आदर्श प्रस्तुत करते हुए समाज के युवा युवतीओ का आदर्श विवाह संम्पन्न हुआ।इस अवसर पर तहसील कछार परिक्षेत्र के अध्यक्ष रामाधार साहू गरियाबंद ग्रामीण अध्यक्ष राजेश साहू शत्रुघ्न साहू विजय साहू अशोक साहू जीवन एस साहू,ग्रामीण उपाध्यक्ष सतीश साहू ग्रामीण संगठन सचिव विनोद साहू महिला उपाध्यक्ष भूमिन साहू,सचिव टाकेश्वरी साहू,हिरेंद्र साहू , विजय साहू,तुलसीराम साहू,शिवदयाल साहू,निमेष साहू,किशन साहू,निमेष साहू,गोकुल साहू,महेश साहू,उपेंद्र साहू,मिलेश्वरी साहू,तनु साहू,सुनीता साहू गीता साहू और तुलसी साहू,चमेली साहू,विनोद साहू सहित समाज के प्रमुख जन उपस्थित थे।

कबीरधाम में 2.8 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार, नगदी और मोबाइल भी जब्त

कवर्धा। जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए कबीरधाम पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना पिपरिया पुलिस ने गांजा लेकर बिक्री की फिराक में घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2.821 किलोग्राम गांजा, नगदी और मोबाइल फोन समेत कुल 1.87 लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 13 मार्च 2026 को थाना पिपरिया को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम दशरंगपुर का एक व्यक्ति काले रंग के बैग में गांजा लेकर ग्राहक की तलाश में दुधिया रोड की ओर आ रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर दुधिया रोड के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिये का एक व्यक्ति काले बैग के साथ आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम अजय गणवीर पिता अशोक गणवीर, निवासी दशरंगपुर बताया। इसके बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए गवाहों की मौजूदगी में उसके बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग में रखी दो पॉलिथीन में गांजा मिला, जिसका कुल वजन 2.821 किलोग्राम निकला। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 5 हजार 350 रुपये आंकी गई है। इसके अलावा आरोपी के पास से 67 हजार 150 रुपये नगद और लगभग 15 हजार रुपये कीमत का एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। इस तरह कुल 1 लाख 87 हजार 500 रुपये का सामान पुलिस ने कब्जे में लिया। इस मामले में थाना पिपरिया में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 86/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)2(बी) के अंतर्गत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

5वी और 8वीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

साजा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महिदही में शनिवार को कक्षा 5वी एवं 8वीं के छात्र-छात्राओं के लिए एक गरिमामय एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। स्कूली शिक्षा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव को पूर्ण कर उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विद्यार्थियों के विदाई एवं सम्मान समारोह में उत्साह, हर्ष और अपनों से बिछड़ने की भावुकता का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती की छायाचित्र का दीप प्रज्वलन, वंदना व माल्यार्पण कर किया गया। विद्यालय के प्रधान पाठक कौशल प्रसाद साहू समेत उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माथा टेक कर उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद मांगा। पूजन-अर्चन से विद्यालय का वातावरण भक्तिमय और सकारात्मक ऊर्जा से भर उठा।

गुरुओं का आशीर्वाद और भविष्य के मंत्र : कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधान पाठक कौशल प्रसाद साहू ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा, अनुशासन और कठोर परिश्रम ही वह कुंजी है जो सफलता के द्वार खोलती है। आज आप इस शाला से विदा जरूर हो रहे हैं, लेकिन यहां से प्राप्त ज्ञान और संस्कार जीवन भर आपके साथ रहेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव विद्यालय का

नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कहां कि अगर कोई विद्यार्थी अपने शिक्षकों को उपहार देना चाहते हैं तो वह कड़ी मेहनत एवं लगन के साथ बेहतर रिजल्ट प्राप्त कर दे सकते हैं। वरिष्ठ शिक्षक महेश्वर श्रीवास ने बीते वर्षों की स्मृतियों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर सीखने की ललक बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही शिक्षिका जानकी ठाकुर एवं हेमलता साहू ने बच्चों को संस्कारवान बने रहने और उच्च शिक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया। गजानंद वैष्णव ने शिक्षा के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी के मंगलमय भविष्य की कामना की।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्मृति चिह्न : विदाई की पावन बेला को यादगार बनाने के लिए कक्षा चौथी और सातवीं के कनिष्ठ विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीतों और नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपने सीनियर साथियों के प्रति स्नेह व्यक्त किया। विदा हो रहे छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों की भावुक अभिव्यक्ति : कक्षा 8वीं के छात्र-छात्राओं ने भी मंच से अपने अनुभव साझा किये। शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए विद्यार्थियों ने कहा कि गुरुजनों का मार्गदर्शन और इस विद्यालय की नींव ही उन्हें भविष्य की चुनौतियों से लड़ने के काबिल बनाएगी। कई विद्यार्थी शिक्षकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए भावुक नजर आए। इस अवसर पर प्रधान पाठक कौशल प्रसाद साहू, शिक्षक महेश्वर श्रीवास, शिक्षिका जानकी ठाकुर, हेमलता साहू, गजानंद वैष्णव सहित विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई थी। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सवर्ण समाज महापंचायत कवर्धा ने यूजीसी के काला कानून के विरोध में रैली निकाली

तीन सूत्रीय मांगों के साथ सौंपा राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन

कवर्धा (समय दर्शन)। कवर्धा। सवर्ण समाज महापंचायत कवर्धा ने केंद्र सरकार द्वारा जनवरी 26 में लाए गए नए यूजीसी एक्ट 2026 में सवर्ण समाज के युवक युवतियों के विरूद्ध किए गए एकतरफा प्रावधानों से उनके केरियर और भविष्य के अंधकारमय होने की तीव्र आशंका जताई है और यूजीसी के नए एक्ट को तुरंत वापस लेने की मांग की है। वहीं सभी समाज के गरीबों को आर्थिक आधार पर आरक्षण देने व छग में ईडब्ल्यूएस लागू करने जैसे तीन सूत्रीय मांगों के साथ राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और मांगे पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है। गांधी मैदान में आयोजित सवर्ण समाज महापंचायत में 15 समाज प्रमुखों की अगुवाई में बड़ी संख्या में समाज के महिला पुरूष व युवक युवतियों ने भाग लिया और एक स्वर में यूजीसी के काला कानून को वापस लेने की मांग की। ब्राह्मण समाज, राजपूत समाज, जैन समाज, गुप्ता समाज, अग्रवाल समाज, केसरवानी समाज, ठाकुर समाज, माहेश्वरी समाज, सिंधी समाज, सिक्ख समाज सहित विभिन्न सवर्ण समाज प्रतिनिधि व प्रखर वक्ताओं ने शिक्षा के मंदिर जैसे पवित्र स्थानों में सवर्ण समाज के छात्रों के साथ समानता के स्थान पर भेदभावपूर्ण कानून बनाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। वक्ताओं ने कहा कि यह कानून शिक्षा के क्षेत्र में जबरदस्ती लागू किया जा रहा है और इससे समाज के दूसरे वर्ग के साथ समानता के नाम पर एक वर्ग के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। इस कानून को काला कानून बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। सभा के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार को किसी भी नए शिक्षा कानून को लागू करने से पहले सभी वर्गों और समाजों से व्यापक चर्चा करनी चाहिए। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस कानून को वापस नहीं लेती है तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। किसी परिस्थिति में शिक्षा के मंदिर को भेदभाव और दूषित राजनीति का केंद्र बनने नहीं दिया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग हाथों में यूजीसी कानून रद्द करो, सवर्ण समाज के लिए ईडब्ल्यूएस लागू करने तथा सभी वर्गों के गरीबों के लिए आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने के नारे लिखे बैनर और तख्तियां लेकर रैली निकाली और विरोध प्रदर्शन किया।

महापंचायत और रैली में कवर्धा जिले के कवर्धा, पंडरिया, सहसपुर लोहारा एवं बोड़ला ब्लॉक के सवर्ण समाज के प्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, नारी शक्ति, युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल होकर विरोध जताया। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

तीन सूत्रीय मांगों के साथ आवाज बुलंद की- महापंचायत के बाद स्वर्ण समाज के लोगों ने शहर में रैली निकाली। रैली गांधी मैदान से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सिग्नल चौक पहुंची। इस दौरान बड़ी संख्या में सवर्ण समाज ने यूजीसी कानून रद्द करो, सभी वर्गों के लिए आर्थिक आधार पर आरक्षण तथा सवर्ण समाज के साथ भेदभाव बंद करते हुए ईडब्ल्यूएस लागू करने जैसे नारे लिखे बैनर और तख्तियां लेकर अपनी आवाज बुलंद की।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन सौंपा- रैली के समापन पर प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और केंद्र सरकार से नए यूजीसी एक्ट 2026 को वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि यदि इस कानून को वापस नहीं लिया गया तो सवर्ण समाज प्रदेश और देश स्तर पर उग्र आंदोलन करने बाध्य हो जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

पीएम श्री प्राथमिक शाला पथर्रा पहुंचे केंद्रीय सचिव राहुल कश्यप

कवर्धा (समय दर्शन)। अपने नवाचारी गतिविधियों एवं खेल-खेल में शिक्षा, शानदार भौतिक वातावरण, बेहतरीन साज-सज्जा के लिए चर्चित जिले की कवर्धा विकासखंड अंतर्गत संचालित पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला पथर्रा में निरीक्षण करने केंद्रीय सचिव राहुल कश्यप पहुंचे।

केंद्र सरकार के सामाजिक सुरक्षा और सुदृढ़ीकरण मंत्रालय, अंतर्गत राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सचिव श्री कश्यप ने जिला शिक्षा अधिकारी एफआर वर्मा की अगुआई में शासन द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर निरीक्षण किया। मुख्य रूप से शाला की दर्ज संख्या, संख्या के अनुपात में अध्यापन कक्षाओं की उपलब्धता, शिक्षकों की उपलब्धता, बालिका शिक्षा, शौचालय साफ-सफाई, किचन गार्डन, शाला का म्यूजिकल बैंड, सहायक शिक्षण सामग्री निर्माण, शिक्षण योजना निर्माण, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के परिचय पत्र निर्माण, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, हैंडवाश बेसिन की उपलब्धता, खेल मैदान आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

अधिकारियों ने शाला का ओपन थियेटर, किचन गार्डन, बाला आधारित कक्षा सजावट का निरीक्षण किया शाला के रखरखाव छात्र-छात्राओं के गणवेश शाला की सास-सज्जा देखकर अधिकारी प्रसन्न हुए एवं इसके लिए प्रधान पाठक विनोद चन्द्रवंशी, शिक्षकों शाला विकास एवं प्रबंधन समिति सहित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान जिला स्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा विनोद श्रीवास्तव, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कवर्धा मूदीता गुप्ता, प्रभारी प्राचार्य स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय बोडला अश्विनी सोनी, प्रधान पाठक माध्यमिक शाला पथर्रा, चंद्रमौली शर्मा, प्रधान पाठक प्राथमिक शाला मक्के, एल्विना विल्सन, प्रभारी प्रधान पाठक पीएमश्री के रूप में शिवकुमार चंद्रवंशी, सहायक शिक्षक रोहित साहू, भागवत साहू, शिक्षक प्रताप सिंह मंडलोई एवं अतिथि शिक्षिका कुमारी जगेश्वरी पाली सहित शाला सफाई कर्मचारी कुमार साहू उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि जिले के पीएम श्री शालाओं के निरीक्षण के लिए विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय सचिव राहुल कश्यप को नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपने दो दिवसीय दौरे में जिले में संचालित ग्यारह पीएम श्री विद्यालयों का निरीक्षण किया।

पीएम जनमन आवास योजना से बिंदा कमार को मिला पक्का घर

गरियाबंद। विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अब दूरस्थ अंचलो तक पहुंच रहा है। ग्राम घटकर्रा के कमारपारा की 79 वर्षीय महिला बिंदा बाई कमार के जीवन में भी पीएम जनमन आवास योजना के माध्यम से बड़ा बदलाव आया है। बिंदा बाई कमार घटकर्रा के टोला कमार बस्ती में रहती हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना पूरा जीवन मजदूरी और खेती करके परिवार का भरण-पोषण करते हुए बिताया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे कभी भी एक पक्का मकान बनाने के लिए रकम नहीं जुटा सकीं और इस कारण वे अपने लिए पक्का घर नहीं बना पाईं। उनके पास केवल एक कच्चा मकान था, जिसे हर साल बरसात के समय में मरम्मत कराना पड़ता था। बारिश से बचने के लिए पॉलिथीन और खपरैल खरीदना तथा मरम्मत के लिए मजदूरों को भुगतान करना भी उनके लिए काफी कठिन हो जाता था। बिंदा बाई कमार अपना जीवनयापन के लिए रोज मजदूरी करना ही उनका मुख्य सहारा था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित देशव्यापी पीएम जनमन योजना के तहत उन्हें पक्का आवास स्वीकृत हुआ। इससे उनके जीवन में एक नया बदलाव आया। अब बिंदा बाई अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रही हैं।

नेशनल लोक अदालत में 72,379 प्रकरणों का निपटारा, 61.26 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम प्रसाद वर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार 14 मार्च 2026 को जिला एवं अपर सत्र न्यायालय गरियाबंद सहित जिले के विभिन्न न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में कुल 76,168 प्रकरण रखे गए थे, जिनमें से 72,379 प्रकरणों का निराकरण कर 61,26,364 रुपए की राशि का एवार्ड पारित किया गया।

तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद के अध्यक्ष एवं अपर सत्र न्यायाधीश एफ्टीएससी यशवंत वासनीकर ने बताया कि लोक अदालत के लिए गरियाबंद में दो खंडपीठों का गठन किया गया था। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री बी.आर. साहू की खंडपीठ में कुल 1,694 प्रकरण राजीनामा के लिए रखे गए थे, जिनमें 64 लंबित और 1,630 प्रीलिटिगेशन प्रकरण शामिल थे। इनमें 16 लंबित प्रकरणों का निराकरण कर 16,81,000 रुपए तथा 84 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कर 7,59,756 रुपए का एवार्ड पारित किया गया। इस प्रकार इस खंडपीठ में कुल 100 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 24,40,756 रुपए की राशि का एवार्ड पारित हुआ।वहीं व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी गरियाबंद कु. खुशबू जैन की खंडपीठ में प्रीलिटिगेशन, लंबित एवं समरी सहित कुल 1,556 प्रकरण रखे गए थे। इनमें से 362 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 13,12,717 रुपए की राशि अदा कराई गई। इसी तरह न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ श्रेणी देवभोग श्रीमती कांची अग्रवाल की खंडपीठ में कुल 1,393 प्रकरण रखे गए, जिनमें से 1,392 प्रकरणों का निराकरण कर 8,30,891 रुपए की राशि अदा कराई गई।न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ श्रेणी एवं व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी राजिम सचिन पॉल टोप्पो की खंडपीठ में प्रीलिटिगेशन,लंबित एवं समरी सहित कुल 1,783 प्रकरण रखे गए थे, जिनमें से 783 प्रकरणों का निराकरण कर 15,42,000 रुपए की राशि अदा कराई गई। इसके अतिरिक्त राजस्व न्यायालयों में कुल 69,742 प्रकरणों का निराकरण किया गया। लोक अदालत के अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायालय परिसर गरियाबंद में विभिन्न विभागों द्वारा जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल भी लगाए गए।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं और बच्चों से संबंधित योजनाओं की जानकारी देते हुए पाम्पलेट वितरित किए गए। उद्यानिकी विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फलदार एवं फूलदार पौधों का वितरण किया गया, जबकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोक अदालत में आए पक्षकारों, अधिवक्ताओं, अधिकारियों और आमजन का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान तालुका अध्यक्ष यशवंत वासनीकर, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बी.आर. साहू और व्यवहार न्यायाधीश कु. खुशबू जैन ने न्यायालय परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों, बैंकों, विद्युत विभाग और नगरपालिका के स्टॉलों का निरीक्षण भी किया तथा अधिक से अधिक प्रकरणों का राजीनामा के माध्यम से निपटारा कराने के निर्देश दिए।लोक अदालत के सफल आयोजन में पीठासीन अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल वालेंटियर्स, विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा पक्षकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

न्यायालय तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम

ई-कोर्ट प्रकरण कमांक /4-121/वर्ष 2025-26
ग्राम झिरौनी
क्रमांक/400/वाचक /ना.तह./2026
पिपरिया दिनांक 13.03.2026

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासीगण झिरौनी सूचित किया जाता है, कि आवेदक नेतराम सिन्हा पिता रामरतन सिन्हा, निवास का पता ग्राम झिरौनी, तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपनी पुत्री हेमलता सिन्हा पिता नेतराम सिन्हा निवास का पता ग्राम झिरौनी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ है, जिनका जन्म ग्राम झिरौनी, तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ में दिनांक 12.03.2008 को हुआ है जिनकी जन्म तिथि शासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत्त: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 30.03.2026 तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा आपत्ति पेर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जारी तिथि- 13.03.2026

मुहर

तहसीलदार
पिपरिया, कवर्धा

// आम सूचना //

क्रमांक / 268 / प्र.01 / अ.वि.अ./ 2026 पाटन, दिनांक 06/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पावरग्रिड रायपुर पूल-धमतरी ट्रांसमिशन लिमिटेड, एन.एच. 53 (Six Lane) दुर्ग-रायपुर-आरंग बाईपास मार्ग से प्रभावित 400 के.व्ही. पारेषण लाईन परिवर्तित / संशोधन हेतु टॉवर निर्माण कार्य में संबंधित जिला दुर्ग (छ.ग.) यह परियोजना विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक CEA-PS-11- 23(20)/1/2018/-PSPA-1 Division 53-54/1/25962/2023 दिनांक 30.01.2023 के माध्यम से विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 68 (1) के ततह पूर्व अनुमोदन प्राप्त है।

इस संचरण लाईन का पथ छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिला के निम्नलिखित ग्रामों, शहरों और कस्बों के आसपास से गुजरेगा :-

जिला	तहसील	ग्रामों का नाम
दुर्ग	पाटन	सेलूद एवं पतोरा

ज्ञातव्य हो कि भारत सरकार के राजपत्र 1463 दिनांक 24.12.2003 द्वारा पावरग्रिड रायपुर पूल-धमतरी ट्रांसमिशन लिमिटेड (जो पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है) को संरचरण लाईनों के बिछाने, अनुरक्षण इत्यादि के संबंध में भारतीय तार अधिनियम, 1885 भाग 3 में तार अधिनियम को प्रदत्त एवं निहित शक्तियों को प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत किया गया है। तद्नुसार संचरण लाइनों के निर्माण, संचालन, अनुरक्षण इत्यादि कार्य भारतीय तार अधिनियम, 1885 भाग, 3 विद्युत अधिनियम, 2003 केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति संबंधी उपाय) विनियम 2010 तथा विधि सम्मत मानक एवं मापदण्डों के अनुसार प्रदत्त अधिकारों प्रयोग करते हुये किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी किए गए संशोधित आदेश दिनांक 10.03.2025 के अनुसरण में भूमिस्वामी को टावर की स्थापना हेतु उपयोग में लाई गई भूमि के क्षेत्रफल के प्रचलित बाजार मूल्य का 200 प्रतिशत एवं विद्युत लाईनों के नीचे टावरों के दोनो ओर के बाहरी तारो के बीच की चौड़ाई में स्थित भूमि के क्षेत्रफल के बाजार मूल्य 30 प्रतिशत क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान है। यह स्पष्ट किया जाता है कि लाइन के टॉवरो के निर्माण के लिए पावरग्रिड रायपुर पूल-धमतरी ट्रांसमिशन लिमिटेड द्वारा भूमि का अधिग्रहण नहीं किया जाता है। दुर्ग-रायपुर-आरंग बाईपास मार्ग निर्माण से प्रभावित 400 के.व्ही. पारेषण, लाईन परिवर्तित / संशोधन हेतु टॉवर स्थापित किए जाने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। इन हेतु पावरग्रिड द्वारा अचल संपत्ति के मालिक की सहमति लेने कि आवश्यकता नही है एवं क्षतिग्रस्त फसलों / वृक्षों इत्यादित का मुआवजा राजस्व विभाग द्वारा सत्यापन के अनुसार कार्य के उपरान्त पावरग्रिड द्वारा किया जाता है।

उक्त पारेषण लाईनों के निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा पहुंचाने वाले के विरूद्ध भारतीय तार अधिनियम 1885 भाग 3, धारा 16 के अनुसार भारतीय दण्ड विधान 188 तथा शासन निर्देश विधि प्रक्रिया व प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्रीय महत्व एवं जन उद्देश्य के उपरोक्त कार्य के निर्बाध कार्यान्वयन में जन-सामान्य का सहयोग अपेक्षित है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी,
पाटन जिला दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

सांसद विजय बघेल को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे जनप्रतिनिधि

पाटन (समय दर्शन)। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने उनके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे प्रतिनिधियों में सांकरा के सरपंच रवि सिंगौर, मोतीपुर के सरपंच मोहन लोधी, सरपंच संघ अध्यक्ष विनय चंद्राकर, रोशन वर्मा, चंद्रिका साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सांसद को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की। सांसद विजय बघेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करने की बात कही।

पटेल समाज पाटन राज का चुनाव सम्पन्न, लक्ष्मी नारायण पटेल पुनः बने अध्यक्ष

पाटन (समय दर्शन)। पटेल समाज पाटन राज का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। चुनाव में लक्ष्मी नारायण पटेल ने पवन पटेल को पराजित कर एक बार फिर अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। चुनाव में कुल 74 मत डाले गए, जिसमें लक्ष्मी नारायण पटेल को 44 मत प्राप्त हुए, जबकि पवन पटेल को 30 मत मिले। मतगणना के बाद लक्ष्मी नारायण पटेल को विजयी घोषित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल को समाज के सदस्यों ने बधाई दी और उनके नेतृत्व में समाज के विकास की उम्मीद जताई। चुनाव सम्पन्न होने के बाद समाज के लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की।

इस वर्ष के प्रथम नेशनल लोक अदालत में कुल 17319 प्रकरण निराकृत

हुए तथा 74,86,677 (चौहत्तर लाख छियासी हजार छः सौ सतहत्तर रूपये)/- रही अवार्ड राशि वर्ष 2026 के प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) जिला न्यायालय, तहसील न्यायालय, एवं राजस्व न्यायालय, जिला मुंगेली में किया गया। जिला न्यायालय मुंगेली में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ 10:45 बजे श्रीमति गिरिजा देवी मेरावी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुंगेली द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय में कुल 06 खंडपीठ व तहसील न्यायालय लोरमी में 01 खडपीठ तथा राजस्व न्यायालय में कुल 08 खंडपीठ का गठन किया गया है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित कुल प्रकरण 2097 एवं जिला न्यायालय व राजस्व न्यायालय में प्रस्तुत प्री-लिटिगेशन प्रकरण 19709 कुल 21806 सुनवाई हेतु रखे गये है। जिनमें से न्यायालय में लंबित कुल 1828 प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं 58,01,797/- रूपये राशि अवार्ड पारित किया गया है एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में कुल 15491 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर 16,84,880/- रूपये के राशि का अवार्ड पारित किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में राजीव कुमार, न्यायाधीश परिवार न्यायालय के खण्डपीठ द्वारा पति एवं पत्नी के मध्य की गई काउंसलिंग के माध्यम से पति एवं पत्नी को उनके मध्य उत्पन्न विवादों को भुलाकर, साथ रहने के संबंध में समझाईश दी गई।

मुनगाशेर में किसानों की फसल सूखकर खत्म, फूटा गुस्सा

सांकेतिक धरना देते कहा- धान की खेती नहीं कर सकते, तो अफीम की खेती करने की ही मंजूरी दे दो

महासमुन्द (समय दर्शन)। लाइन कटौती, लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे 12 गांवो के किसानों का गुस्सा शनिवार को मुनगासेर क्षेत्र में फूट पड़ा। किसानों ने सांकेतिक धरना देते हुए सरकार से कहा कि इस हालत में धान की खेती नहीं कर सकते। ऐसे में हमें अफीम की खेती करने की ही मंजूरी दे दो। किसानों ने प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम देते हुए बिजली समस्या में तत्काल सुधार की मांग पर ज्ञापन भी सौंपा।

स्थानीय किसान युवराज दीवान ने कहा कि वर्तमान सरकार ने किसानों को जीना मुहाल कर दिया है। रबी की फसल मरने को आ चुकी है। मुर्गी फार्म वालों के यहां मुर्गियां

मरने को आ चुकी हैं। बीमार बच्चे गर्मी में तकलीफ पा रहे हैं। बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों का भविष्य अंधकार में लटका हुआ है। परिवार में शादी, छी में दिक्कत आ रही है। नवरात्रि सिर पर है। आज जैसी स्थिति कभी नहीं रही। किसानों को ऐसी प्रताडना कभी उठानी नहीं पड़ी, जो वर्तमान भाजपा सरकार में उठानी पड़ रही है। किसानों ने कहा कि तीन दिन के अंदर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसानों की फसल सूखकर खत्म हो जाएगी। अगर शासन नहीं चाहता कि किसान धान उगाएं, तो हमें अफीम उगाने की अनुमति दे दें। इस दौरान अंकित बागबाहरा, खेमराज सिन्हा, आशीष दीवान, सरपंच हरीश जगत, युवराज दीवान, कोमल साहू, जितेंद्र क्षत्रीय, मोहर सिंह चक्रधारी, प्रकाश पटेल, दुर्गेश चक्रधारी, ओमप्रकाश दीवान, खामसिंग, चमन लाल निषाद, ठाकुर राम निषाद, नरेंद्र साहू, बिशहत राम, कार्तिक बघेल, अश्वनी ठाकुर, बेदबाय, परशु राम नेताम, प्रेमसिंग दीवान, पुनीत राम, अजीराम दीवान, श्रवण कुमार दीवान आदि मौजूद थे।

46 वर्षों से नहर का मुआवजा के लिए भटक रहा किसान, अब नहर को तोड़ अपने निजी जमीन को बनाया खेत

विभागीय लापरवाही से अब किसानों के हजारों हेक्टेयर खेत सिंचाई से रहेगे वंचित

जांजगीर ///समय दर्शन /// 46 वर्षों से नहर का मुआवजा के लिये भटक रहे किसान ने विभाग को कई बार पत्राचार किया,हाईकोर्ट तक लड़ाई लड़ी हाईकोर्ट आदेश के बाद फाईल आगे बढ़ी लेकिन विभागीय लापरवाही से मुआवजा का वितरण नहीं किया गया वहीं किसान ने थक हार कर बड़ा कदम उठाते हुए नहर में पड़े अपने जमीन को वापस समतलीकरण कराकर खेती करना शुरू कर दिया,वहीं हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग के लापरवाही का खामियाजा

अब बिर्रा उप वितरण नहर अ न्त र्ग त धिवरा,किकिरदा,करही,झरप,नगा रीडीह,मल्दा के हजारों किसानों को उठाना पड़ेगा,क्षेत्र के हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचाई से वंचित हो जायेगी। जिसका असर फसलों पर दिखेगा।

दरअसल पूरा मामला

तत्कालीन जांजगीर-चांपा व वर्तमान सक्ती जिला के ग्राम घिवरा का है जहां आज से पूर्व 1979-80 में बिर्रा से घिवरा माईनर क. नहर का सर्वे कर नहर का निर्माण किय जिसमें घिवरा निवासी कृष्णा कश्यप के पुरखौती खेत खसरा नं. 1846-0.33 एकड़ में बीचो बीच नहर बनाया गया है जिसका मुआवजा कृष्णा कश्यप के दादा स्व ननकीराम के नाम से मुआवजा राशी बनाया गया था किसी कारणवश उस वक्त मुआवजा राशी नहीं मिल पाया, दादा के मृत्यु हो जाने के पर उसके पिता कुंजराम कश्यप द्वारा विभाग को आवेदन के माध्यम से लगातार अवगत कराते रहे फिर भी 2015 तक विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से कोई रुची नहीं दिखाई तब 2015-16 में हाई कोर्ट में अर्जी लगाया तब कहीं जाकर 2019-20 में हाईकोर्ट के आदेश पर विभाग द्वारा वर्तमान नया दर पर मुआवजा राशी बनाया गया इस दौरान 2021में इसके पिता कुंजराम कश्यप का कारोना काल में मृत्यु हो गया।

कृष्ण कश्यप द्वारा पुनः विभाग को पिता के मृत्यु होने कि जानकारी दी गई तब विभाग द्वारा सभी वारिसानों के द्वारा तत्काल नामांतरण कराने से मुआवजा राशी मिलने कि बात कही जिसपर सारे नियमों को पालन किया गया लेकिन विभाग द्वारा मुआवजा राशि जारी नहीं किया गया जिससे त्रस्त होकर किसान ने विभाग को पत्र लिखकर मुआवजा राशी की जरुरत नहीं है,जिस मुआवजा राशी को पाने के मेरे स्व.पिताजी व स्व.दादाजी दोनों को नही मिल पाया जिसके चलते उन्होने अपनी जीवन गवा हम अपना सहमती वापस लेते है और हम अपने खेत खसरा नं. 1846- 0.33 में बने कच्ची नहर को आने नया सत्र में फिर से फसल लगाने कि जानकारी दी थी।

विभागीय लापरवाही से हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचाई से हो जायेगे वंचित- वहीं वर्तमान में किसान कृष्ण कश्यप ने नहर को समतलीकरण कर अपने निजी जमीन को खेत का रुप दे दिया गया है,जिससे अब नहर दोनों तरफ से बंद हो गया है,वही आने वाले खरीफ फसल में हजारों हेक्टेयर भूमि सिचाई से वंचित होगे,जिससे किसानों को करोड़ों के फसल के नुकसान का सामना करना पड़ेगा,समय रहते प्रशासन को इसपर पहल करनी चाहिए।

आर इंडिया सिविल सर्विसेज म्यूजिक डांस काम्पीटशन में डॉ सुनील वैष्णव का चयन

बसना (समय दर्शन)। आल इंडिया सिविल सर्विसेस म्यूजिक डांस और शार्ट प्ले कॉम्पीटिशन 2025/2026 मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसना मे पदस्त डॉ सुनील कुमार वैष्णव का चयन क्लासिकल और वेस्टर्न म्यूजिक मे चयन दिल्ली मे आयोजित कार्यक्रम हेतु अगली प्रस्तुति फाइनल राउंड के लिए हुआ है । खेल एवं संस्कृति भवन रायपुर मे 5 प्रशिक्षित म्यूजिक के महारथियों द्वारा कामलादेवी संगीत महाविद्यालय से प्रशिक्षण प्राप्त रितु वर्मा एवं अन्य जजों द्वारा सभी प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर चयन किया गया है ?

19मार्च 2026 से 25मार्च 2026 तक खेल एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम दिल्ली मे सम्पन्न होगा।

जिसमे देश के सभु राज्यों से सरकारी कर्मचारी अपने अपने विधा मे प्रस्तुति देंगे। छत्तीसगढ़ राज्य मे महासमुंद जिले से डॉ सुनील वैष्णव का चयन क्लासिकल गायन के लिए पहले व्यक्ति है जिन्होंने अपने मूल कार्य के अलावा अपनी हॉबी म्यूजिक से कर दिखाया।

उन्होंने कमला देवी संगीत महाविद्यालय रायपुर, भात खंडे संगीत महाविद्यालय बिलासपुर, संगीत महाविद्यालय इलाहाबाद ,के अलावा सुरेश वाड़ेकर मशहूर गायक मुंबई से भी विधिवत शिक्षा प्राप्त की है।

विकासखण्ड,जिला एवं प्रदेश के चिकित्सा जगत से जुड़े उनके चाहने वालों ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

नानक सागर में अमृतसर की तर्ज पर बनेगा भव्य गुरू धाम

नानकसागर में आयोजित होला मोहल्ला में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय हुए शामिल

गढ़फुलझर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 2.50 करोड़ की स्वीकृति

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल गढ़फुल्झर स्थित नानकसागर में आयोजित भव्य होला मोहल्ला कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेककर आशीर्वाद लिया तथा विशेष कीर्तन समागम और अरदास में भाग लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से मुख्यमंत्री का सरोफ भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, बसना विधायक संपत अग्रवाल, अमरजीत सिंह छाबड़ा,डॉ. भगवान सिंह खोजी, ज्ञानी हरदीप सिंह, दविंदर सिंह, कमलजीत सिंह, नितिनदीप सिंह, कंवलप्रीत सिंह, अमृतपाल सिंह, देवेंद्र सिंह आनंद, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, येतराम साहू, अखिलेश सोनी,

भूपेंद्र सिंह सवन्नी, इंद्रजीत सिंह गोल्डी, सरपंच हरप्रीत कौर, हरजिंदर सिंह,कोलता समाज के गिरधारी साहू और चतुर्भुज आर्य ,रोमी सलूजा सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि गढ़फुल्झर की पावन भूमि स्थित नानकसागर अत्यंत पवित्र स्थल है, जहां पूज्य गुरु नानक देव जी के चरण पड़े हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संतों की तपोभूमि रही है और यहां आकर उन्हें गर्व और आनंद की अनुभूति हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में गढ़फुल्झर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जिसके लिए लगभग 2.50 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है और विकास कार्य प्रगति पर है। उन्होंने अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

बसना विधायक संपत अग्रवाल ने कहा कि सिख समाज हमेशा संगठित होकर समाज को साथ लेकर चलने वाला समाज रहा है। उन्होंने बताया कि गढ़फुल्झर में अमृतसर की तर्ज पर एक भव्य गुरुद्वारा का निर्माण किया जाएगा, जिससे इस क्षेत्र की धार्मिक आस्था और पर्यटन को नई पहचान मिलेगी।

इस अवसर पर रिंकू सिंह ओबेरॉय ने बताया कि लगभग पांच वर्ष पहले यह तथ्य सामने आया कि करीब 520 वर्ष पूर्व सिखों के प्रथम गुरु ,गुरु नानक देव जी इस पवित्र स्थल पर पधारे थे। उन्होंने गुरु नानक देव जी के ऐतिहासिक आगमन और उनके उपदेशों के महत्व पर प्रकाश डाला।

उल्लेखनीय है कि बसना क्षेत्र का गढ़फुल्झर वह ऐतिहासिक स्थल है जहां वर्ष 1506 में सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी अपनी पहली उदासी (विश्व भ्रमण) के दौरान अमरकंटक और शिवरीनारायण के मार्ग से जगन्नाथ पुरी जाते समय दो दिनों तक ठहरे थे। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर तत्कालीन आदिवासी राजा मानस राज सागर चंद भेना ने लगभग 5 एकड़ भूमि गुरु महाराज के नाम समर्पित की थी, जिसे आज भी गुरुखाप के नाम से जाना जाता है। इसी पावन स्थल पर देश के प्रमुख गुरुद्वारों की तर्ज पर भव्य गुरुधाम के निर्माण का प्रस्ताव है। गढ़फुल्झर न केवल सिख समाज की आस्था का केंद्र है, बल्कि सर्वधर्म समभाव की अनूठी मिसाल भी है। यहां अभेद किले, प्राचीन सुरंगों, रानी महल के अवशेषों के साथ रनेश्वर रामचंडी मंदिर और बूढ़ादेव मंदिर जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी मौजूद हैं।

भव्य गुरुधाम के निर्माण के बाद यह क्षेत्र भविष्य में एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा तथा आने वाली पीढ़ियों को गुरु नानक देव जी के शांति, सेवा और भाईचारे के संदेश से प्रेरित करता रहेगा। गढ़फुल्झर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 2.50 करोड़ की स्वीकृति, अमृतसर की तर्ज पर बनेगा भव्य गुरुधाम।

खाद्य विभाग की कार्यवाही: पामगढ़ क्षेत्र के होटलों-ढाबों पर छापा, 11 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

जांजगीर चांपा //समय दर्शन //कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार खाद्य विभाग की टीम ने पामगढ़, शिवरीनारायण एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न होटलों और ढाबों में दबिश देकर द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के उल्लंघन के मामले पाए गए, जिन पर जब्ती की कार्यवाही की गई।

जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू ने बताया कार्रवाई के दौरान शेरगढ़ फैमिली रेस्टोरेंट एवं ढाबा से 03 घरेलू गैस सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर एवं गैस पाइप जब्त किए गए। एल.के. होटल, मेउभाटा से 02 घरेलू गैस सिलेंडर (एक भरा एवं एक खाली), गैस चूल्हा, रेगुलेटर तथा पाइप जब्त किया गया। इसी प्रकार बाबा कैफे एण्ड पराठा हाउस से 02 घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम क्षमता वाले), रेगुलेटर, पाइप एवं दो मुंहे वाला गैस चूल्हा जब्त किया गया। ब्रदर्स कैफे एण्ड फैमिली रेस्टोरेंट से 02 घरेलू गैस सिलेंडर (एक भरा व एक खाली) तथा रेगुलेटर जब्त किया गया, वहीं भैयाजी रेस्टोरेंट से 02 भरे हुए घरेलू गैस सिलेंडर और रेगुलेटर-पाइप जब्त किए गए।

इस कार्रवाई में कुल 11 घरेलू गैस सिलेंडर के साथ गैस चूल्हा, प्रेशर रेगुलेटर एवं गैस पाइप जब्त किए गए। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग प्रतिबंधित है और ऐसे मामलों में नियमों के तहत लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

तर्रा के लता कुंज में ठेठवार यादव समाज का अधिवेशन, दुग्ध व्यापार के साथ साथ खेती और अन्य व्यापार पर भी काम करने से आर्थिक मजबूती आएगी: बिसरा राम यादव

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ ठेठवार यादव समाज पाटन राज का वार्षिक अधिवेशन तर्रा स्थित लता कुंज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आराध्य देव भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना के साथ हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएसएस के पूर्व प्रांत प्रचारक बिसरा राम यादव थे। उन्होंने कहा कि यादव समाज शौर्य का प्रतीक है। हमें दुग्ध व्यापार के साथ साथ खेती का भी काम पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा अन्य व्यापार में भी हमें आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने कहा कि हम खुद संस्कारी होंगे तो बच्चे भी संस्कारवान बनेंगे। संस्कारवान समाज को विकास करने से कोई नहीं रोक सकता। समाज को सरकार को योजना के साथ जुड़कर योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। यादव समाज का पुरखा की जो भूमिका है उसे हमें निभाना पड़ेगा। विशेष अतिथि निक्की भाले ने समाज के पाटन स्थित भवन में चेकर टाइल्स लगाने के लिए पांच लाख की घोषणा की है। अध्यक्षता समाज के प्रदेश अध्यक्ष गुलेंद्र यादव ने की। विशेष अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, जनपद सदस्य संतोषी ठाकुर, सरपंच विपिन चंद्राकर, समाज के संरक्षक खेमराज

यदु, नंदकुमार यदु, प्रदेश कोषाध्यक्ष दाऊ राम यादव, पार्षद केवल देवांगन, देवेंद्र ठाकुर सहित समाज के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पाटन राज अध्यक्ष ईश्वर यादव ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए समाज की एकता और विकास पर जोर दिया। इसके बाद अतिथियों का शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। साथ ही समाज के प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मानित किया गया। अधिवेशन के दौरान खुले मंच में सामाजिक विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। सामाजिक प्रकरणों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय भी लिए गए। अंत में आय-व्यय की जानकारी प्रस्तुत की गई और आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का संचालन बलराम यादव और अश्वनी यादव ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संतोष यादव, कोषाध्यक्ष अश्वनी यदु, सचिव अश्वनी यादव, जितेन्द्र यादव , राकेश यादव , संतोष यादव, यशवंत यादव , ईश्वर यादव , बलराम यादव, मोहन यादव , राजकुमार यादव, लेखराम यादव , जितेन्द्र कुमार यदु, यथवंत यादव, सुभाष यादव , हेमलाल यादव , पारसमणी, राजकुमार यादव, विजय कुमार यादव, धरमपाल, शशिशंकर यादव , संतोष यादव , जितेन्द्र यादव , रामबिलास , कमलेश कुमार यादव , पुरन लाल. संरक्षक-मदन यादव , चन्द्रशेखर यदु , इन्द्रजीत यादव , ओमप्रकाश यदु , उपाध्यक्ष कमलेश यादव , महेन्द्र यादव , मुनेश्वर यादव कोषाध्यक्ष-पवन यादव, सहसचिव सनत यादव, देवेन्द्र यादव , गोपाल यादव , मोहित यदु , त्रिभुवन यदु , उत्तम यादव , ललित यादव बेलौदी, श्रीमति सुनीता यदु? , श्रीमती भारती यदु , श्रीमती कुंती यादव, श्रीमती उत्तरा यादव, सचिव मंजूलता यादव , श्रीमती गायत्री यादव , श्रीमती संध्या यदु, सुनीता यदु, श्रीमती रानी यद्, अरूणा यादव , दुलारी यदु , श्रीमती पल्लवी यदु , श्रीमतीं हेमवर्षा ,श्रीमति देवकी यदु, प्रभा यद , मालती युद , दुर्गा यदु श्रीमती श्यामा बाई ,श्रीमती शैलेन्द्री यादव , बालाराम यादव , मधुसुदन यादव नेतराम यादव झुमुक यादव , संतोष यादव , संतोष यादव , सदाराम यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26